दैनिक मिशन नेशनल न्यूज
MNN Mission of Truth
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े : www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-322 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार, मंगलवार, 19 नवंबर 2024

केदारनाथ चुनाव पर तेज हुआ महासंग्राम

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून केदारनाथ उपचुनाव का काउंटडाउन शुरू हो गया है और भाजपा व कांग्रेस में तेजी के साथ वॉकयुद्ध चल रहा है और दोनो राजनीतिक दल एक दूसरे पर आरोपों की बारिश कर रहे हैं। दोनो राजनीतिक दलों ने उपचुनाव जीतने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दी है तो वहीं मुख्यमंत्री ने भी केदारनाथ मे प्रतिष्ठा का हो रहे चुनाव के लिए पिछले कुछ दिनों से खुद मोर्चा संभाल लिया है और वह पार्टी प्रत्याशी के समर्थन मे जहां जनसभायें और बाइक रैली करते हुए दिखाई दिये तो वहीं उन्होंने आवाम को सीधा संदेश दिया है कि केदारघाटी के विकास का संकल्प डबल इंजन सरकार ने लिया हुआ है और वहां जिस तेजी के साथ पिछले काफी वर्षों से विकास का पहिया आगे बढ रहा है उससे वहां की जनता डबल इंजन सरकार के विकास पर अभेद विश्वास कर रही है। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ मे चप्पे-चप्पे पर यही संदेश दिया है और आज वह रोड-शो मे भी यही संदेश दे रहे हैं कि केदारनाथ की जनता ने उपचुनाव मे कमल खिलाने का मन बना लिया है और चुनाव के दिन जनता ईवीएम का बटन इतनी तेजी के साथ दबायेगी कि जब चुनाव परिणाम सामने आयेगा तो हर तरफ कमल खिलता हुआ ही नजर आयेगा।

केदानाथ मे बीस नवम्बर को उपचुनाव होना है और केदारनाथ मे होने वाले इस उपचुनाव पर देशभर की नजरें लगी हुई हैं। भाजपा के लिए केदारनाथ सीट पर जीत का परचम लहराना उसके लिए एक बडी प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है क्योंकि आयोध्या मे लोकसभा सीट और उत्तराखण्ड मे बद्रीनाथ सीट पर हुये उपचुनाव मे कांग्रेस को मिली जीत के बाद पार्टी के दिग्गज नेता भाजपा को अपने निशाने पर लेने के मिशन मे आगे बढ गये थे? केदारनाथ विधानसभा की विधायक शैलारानी रावत की बीमारी से हुई मौत के बाद इस सीट पर प्रतिष्ठापूर्ण उपचुनाव को लेकर शुरूआती दौर से ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी रणनीति तैयार कर ली थी और इस रणनीति के तहत उन्होंने केदारनाथ में चप्पे-चप्पे पर मंत्रियों, पार्टी संगठन के पदाधिकारियों को डबल इंजन सरकार के विकास का आईना दिखाने के लिए मैदान मे उतार दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ सीट पर पार्टी प्रत्याशी को बडी जीत दिलाने के लिए कांग्रेस को अपने बनाये चक्रव्यूह मे फंसाने के लिए जो पासा फेंक रखा है उसको लेकर यही सवाल पनप रहे हैं कि क्या कांग्रेस उसमे फंस जायेगी या फिर वह इस चक्रव्यूह से अपने आपको दूर रखकर पार्टी प्रत्याशी को जीताने के लिए एडी चोटी का जोर लगा देगी?

केदानाथ मे कांग्रेस के कई छत्रपों ने पुष्कर सरकार की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाते हुए उसे आवाम के बीच अपनी रडार पर लेने का मिशन शुरू कर रखा था जिसको लेकर कांग्रेस के अधिकांश छत्रपों को यह विश्वास हो चला था कि वह केदारनाथ की जनता में कांग्रेस की नीतियों और उसके विजन को उनके दिलों में उतारकर वहां जीत हासिल करने के अपने एजेंडे मे सफल हो जायेंगे? हालांकि पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ मे होने वाले उपचुनाव को लेकर खुद मोर्चा संभाल लिया है और वह पार्टी प्रत्याशी के समर्थन मे आवाम से रूबरू हो रहे हैं तो वहीं उन्होंने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन मे जनसभायें कर आवाम को यह संदेश दिया कि कांग्रेस इस चुनाव मे झूठ का सहारा लेकर चुनाव जीतने का मनसूबा पाल रही है जबकि वह अपने झूठ तंत्र से इस चुनाव को किसी भी कीमत पर नहीं जीत पायेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का केदारघाटी के लोगों से सीधा संवाद और उन्हें यह बताना कि कांग्रेस उनकी सरकार को लेकर जो उनके बीच भ्रम फैला रही है वह सरासर झूठ का पुलिंदा है? मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंद दिनों मे जिस तरह से केदारनाथ की जनता के बीच डबल इंजन सरकार के विकास का एजेंडा उनके सामने रखा और यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार केदारघाटी को एक नये रूप मे लाने के लिए संकल्पबद्ध है इसलिए वह बीस नवम्बर को होने वाले चुनाव मे कमल के बटन पर अपनी उंगली दबायें जिससे चुनाव परिणाम आने के बाद केदारनाथ मे हर तरफ कमल खिलता हुआ ही नजर आये। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चुनाव के आखिरी समय मे केदारनाथ की जनता के मन मे यह विश्वास पैदा किया है कि शैलारानी रावत ने जो केदारनाथ के विकास का खाका खींचा था उसे उनकी सरकार यह चुनाव जीतकर जरूर पूरा करेगी।

वायु प्रदूषण के चलते बंद हुए स्कूल, लागू हुआ ग्रेप स्टेज 4

- खतरनाक वायु गुणवत्ता स्तर का सामना कर रहे दिल्लीवासी

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर लगातार पांच दिनों से खतरनाक वायु गुणवत्ता स्तर का सामना कर रहा है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) स्टेज 4 जैसे कड़े कदम प्रदूषण कम करने के लिए लागू किए गए हैं। इसके तहत अगले आदेश तक कक्षा 10वीं और 12वीं को छोड़कर सभी कक्षाओं के लिए फिजिकल क्लासेस रद्द कर दी गई हैं। स्कूलों को ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। आवश्यक सामान ले जाने वाले वाहनों को छोड़कर, दिल्ली में रजिस्टर्ड डीजल से चलने वाले मध्यम और भारी ट्रकों पर प्रतिबंध लगाया गया है। ऑफिसों को वर्क फ्रॉम होम अपनाने का सुझाव दिया गया है।

दिल्ली-एनसीआर की ही तरह हरियाणा में भी वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए कक्षा 5 तक के छात्रों के लिए फिजिकल कक्षाएं अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। फिलहाल स्कूलों को अगले आदेश तक बंद रखा जाएगा। स्थिति में सुधार होने पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और संबंधित सरकारें इस पर पुनर्विचार करेंगी। वायु प्रदूषण की स्थिति को सुधारने के लिए लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे निजी वाहनों के उपयोग में कमी करें और सरकारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें।

दिल्ली में सोमवार सुबह कोहरे और स्मॉग की चादर छाई रही। मौसम विभाग ने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। सुबह - शाम मध्यम से घना कोहरा होने की संभावना व्यक्त की गई है। एयरपोर्ट, हाइवे, रेलवे रूट्स पर कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट पर कम विजिबिलिटी रही। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी लिमिटेड का कहना है कि सभी उड़ानों का संचालन वर्तमान में सामान्य हैं। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे फ्लाइट्स की जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। वहीं, सोमवार सुबह 7 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 481 था, जिसे ह्यगंभीर प्लसह्न श्रेणी में रखा जाता है।

दिल्ली में धुंध की मोटी चादर छाने के साथ ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (उअदट) की उप-समिति ने दिल्ली-एनसीआर के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के चरण 4 को लागू करने का फैसला किया है, जो ह्यगंभीरह्न वायु गुणवत्ता की स्थिति के कारण 18 नवंबर की सुबह 8 बजे से लागू हो गया। दिल्ली सरकार ने जूनियर कक्षाओं के ऑनलाइन होने से प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए 14 नवंबर को ग्रेप चरण 3 प्रतिबंध पहले ही लगा दिए थे। इसके अतिरिक्त, सरकार जल्द ही ऑड-ईवन प्रतिबंध लगाने का विकल्प भी चुन सकती है।

भारत में हर घंटे होती हैं 52 सड़क दुर्घटनाएं, जान गंवाने वालों में युवा सबसे ज्यादा

नई दिल्ली,

सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, हर घंटे औसतन 52 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 20 लोग अपनी जान गंवाते हैं। 2022 में देशभर में 4.62 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.68 लाख से ज्यादा लोग मारे गए और 4.44 लाख घायल हुए। इन हादसों में मारे गए 50 फीसदी से ज्यादा लोग 18 से 35 साल की उम्र के थे। यह आंकड़े न केवल चिंताजनक हैं, बल्कि रोड सेफ्टी को लेकर गंभीर कदम उठाने की जरूरत को भी रेखांकित करते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक 70 फीसदी सड़क हादसों की वजह तेज रफ्तार है।

इसके अलावा, नशे में गाड़ी चलाना, रेड लाइट जंप करना, गलत साइड ड्राइविंग और मोबाइल फोन पर बात करना प्रमुख हैं। टूवीलर चालकों और पैदल चलने वालों की दुर्घटनाओं में मृत्यु दर सबसे ज्यादा है। 2022 में मरने वालों में 44 फीसदी से ज्यादा लोग टूवीलर चालक थे।

भारत के कुल सड़क नेटवर्क का केवल 4.9 फीसदी हिस्सा राष्ट्रीय और राज्य हाइवे का है, लेकिन इन पर 60 फीसदी सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इन हादसों के पीछे खराब इंफ्रास्ट्रक्चर, शार्प कर्व, क्रैश बैरियर्स और अपर्याप्त रोशनी जैसे कारक जिम्मेदार हैं। ड्रंक ड्राइविंग और स्पीडिंग के मामलों में युवा सबसे ज्यादा शामिल हैं। साइकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चों में सड़क सुरक्षा के नियमों की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए। माता-पिता को यह तय करना चाहिए कि बच्चे हेलमेट पहनें, नशे में गाड़ी न चलाएं और ट्रैफिक नियमों का पालन करें। स्कूल स्तर पर भी सड़क सुरक्षा को रोचक और प्रभावी तरीके से सिखाने की जरूरत है।

अब बुधवार और गुरुवार को नियमित मामलों की सुनवाई नहीं होगी

सीजेआई संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई प्रक्रिया में किया बदलाव

नई दिल्ली

भारत के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई प्रक्रिया में बदलाव किया है। अब से बुधवार और गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में नियमित सुनवाई वाले मामलों की सुनवाई नहीं होगी। यह बदलाव 10 नवंबर को जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के रिटायर होने के बाद लागू किया गया है।

नई व्यवस्था के चलते सुप्रीम कोर्ट के सामान्य मामलों की सूची से बुधवार और गुरुवार के लिए नियमित सुनवाई वाले मामले हटा दिए हैं। इसके अलावा स्थानांतरण याचिकाएं, जमानत मामले और अन्य विविध मामले इन दिनों में सूचीबद्ध किए जाएंगे। कोर्ट द्वारा

जारी नए परिपत्र में यह बताया गया कि विशेष पीठ या आंशिक सुनवाई वाले मामलों को भोजन अवकाश के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली में एक नई दिशा दिखाता है, जिससे सुनवाई की प्रक्रिया और भी व्यवस्थित और समयबद्ध हो सकेगी।

इसके अतिरिक्त सीजेआई खन्ना ने 16 पीठों का नया रोस्टर जारी किया है, जिसमें यह फैसला लिया गया कि चीफ जस्टिस और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाली पहली तीन अदालतें अब पत्र याचिकाएं और जनहित याचिकाएं सुनेंगी। यह नया रोस्टर 11 नवंबर से प्रभावी हो गया है और इसका उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट में मामलों के आवंटन को और ज्यादा पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

केजरीवाल का फॉमूर्ला: 15 दिन में 65 हजार बैठकें फतह कराएंगी दिल्ली

नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होना अभी बाकी है। लेकिन राजनैतिक दल अभी से अपनी जीत का रास्ता ढूंढने लगे हैं। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और विपक्षी दलों भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस ने जोरशोर से प्रचार भी शुरू कर दिया है। इस बीच आप के राष्ट्रीय संयोजक ने अपने नेताओं को अहम टास्क देते हुए कहा है कि यदि 15 दिनों में 65 हजार बैठकें कर लीं तो फिर जीत तय है। केजरीवाल ने 65 हजार बैठकों का फॉमूर्ला तैयार किया है। उन्होंने अपने नेताओं को पूरी दिल्ली को मथ देने का तरीका बताया है। इसके साथ ही उन्होंने कमी निकालने वालों से बहस नहीं करने की नसीहत दी है।

केजरीवाल ने कहा है कि सभाओं के दौरान यदि कोई कमी निकाले तो उससे बहस नहीं करनी है, बल्कि एक और मौका मांगते हुए कहना है कि अब इसे ठीक कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, किसी से बहस नहीं करनी है, दिल जीतना है उसका। कई बार बहस तो जीत जाते हो आप, दिल हार जाते। आप बहस हार जाओ दिल जीत लो। वह आपको कुछ कह रहा है, कहिए कि हां यार बात तो तू ठीक कर रहा है। इतना कहते ही वह आपका दीवाना हो जाएगा। वह आपकी कोई कमी निकाले, वह कहे कि केजरीवाल तुम्हारा ऐसा, बोलो हां यार तू ठीक कह रहा है, हम ठीक करेंगे इसको। एक मौका और चाहिए। कई काम किए हैं, कई काम रह भी गए। सारे काम थोड़े ना पूरे होते हैं। सबका दिल जीतना है, बहस नहीं करनी, लड़ाई नहीं करनी अपने को ।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यदि संभव हो तो मंडल अध्यक्ष और अन्य नेता तीन महीने की अपने काम से छुट्टी ले लें। केजरीवाल ने कहा, पार्टी को समय देना पड़ेगा। कई लोग हैं जो फुल टाइम हैं, कई फुल टाइम नहीं हैं। अगर हो सके तो तीन महीने की छुट्टी ले लो। जो-जो छुट्टी ले सकता है ले लो।

मंडल अध्यक्षों के साथ आयोजित बैठक में अरविंद केजरीवाल ने कहा, 5 बूथ हैं एक मंडल अध्यक्ष के पास। एक बूथ पर 200 से 250 परिवार हैं। हर 50 परिवार पर एक सभा करनी है। लगभग 4-5 मीटिंग हो गई एक बूथ पर। वो इतनी गहन करनी है कि उन 50 परिवार को अच्छे से टच कर लें। एक दिन घर-घर जाकर उन्हें इनवाइट करना है। अगले दिन उनको आसपास किसी गली में बुलाना है। उनके साथ मीटिंग करनी है। 50 को बुलाओगे तो 20-25 परिवार तो आ ही जाएंगे। एक राउंड फिर सबके घर जाना है एक बूथ पर 5 मीटिंग करनी है। 5 बूथ है तो 25 मीटिंग करनी है। 15 दिन में 25 मीटिंग करनी है। एक दिन में एक या दो मीटिंग करनी है। केजरीवाल ने कहा कि 15 दिन में जमकर काम कर लिया तो मथ जाएगी पूरी दिल्ली। ऐसा हो जाएगा जिसा धुआंधार प्रचार आज तक किसी ने देखा ही नहीं होगा। 13 हजार बूथ हैं, एक पर पांच मीटिंग कर लोगे तो 65 हजार मीटिंग। यदि 15 दिन में आपने 65 हजार मीटिंग कर ली तो कोई हरा सकता है आपको? भगवान भी खुश हो जाएंगे, यार मेहनत कर रहे हैं, कर्म कर रहे हैं ये लोग, इनको फल तो मिलना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बाबा सिद्दीकी हत्याकांडः अमेरिका में मुख्य आरोपी अनमोल बिश्नोई हिरासत में

मुंबई,

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले के मुख्य आरोपी लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका में हिरासत में लेने की खबर सामने आई है। बता दें कि पिछले महीने भारत सरकार ने इसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। इस मामले में केंद्रीय गृह विभाग या एनआईए द्वारा आधिकारिक जानकारी दिए जाने की संभावना है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक अनमोल को अमेरिका के कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया गया है। इसके बाद उसे मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अनमोल बिश्नोई पर एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में गोलीबारी का आरोप है। इस मामले में अनमोल फरार था। अनमोल बिश्नोई पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कई आपराधिक मामलों में केस दर्ज किया है। इसके अलावा उसके खिलाफ 18 अन्य आपराधिक मामले भी दर्ज हैं। कुछ दिन पहले एनआईए ने अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 10 लाख रुपये की मदद देने का ऐलान भी किया था। जाँच एजेंसी एनआईए ने नागरिकों से अनमोल बिश्नोई के ठिकाने के बारे में जानकारी देने का अनुरोध किया था।

कैलाश गहलोत भाजपा में शामिल हुए

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा देने के 24 घंटे बाद कैलाश गहलोत सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर मौजूद थे। भाजपा में शामिल होने के बाद कैलाश गहलोत ने कहा कि लोग सोचते होंगे कि रातों-रात ये फैसला ले लिया। किसी के दबाव में आकर फैसला लिया, लेकिन मैं बता दूं कि मैंने जीवन में कभी दबाव में कोई काम नहीं किया है। सुनने में आ रहा है कि ईडी, सीबीआई के दबाव में मैंने ऐसा कर दिया, लेकिन ऐसा नहीं है।

31 साल बाद आतंकी गिरफ्तार

सहारनपुर

सहारनपुर के देवबंद में पुलिस वालों पर हैंड ग्रेनेड फेंकने वाला आतंकवादी 31 साल बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उसे जम्मू-कश्मीर के बडगांव से पकड़ा गया। आतंकी मुस्तफा बानी अपना रूप और नाम बदल पुलिस को धोखा दे रहा था। सहारनपुर एसएसपी रोहित सिंह ने बताया कि मुस्तफा ने 26 अगस्त 1993 को वारदात की। इसके बाद उसे 26 मई 1994 को गिरफ्तार किया गया। लेकिन, जमानत पर बाहर आने के बाद वह फरार हो निकला। मुस्तफा बानी मूल रूप से जम्मू का रहने वाला था, जो देवबंद में छिपा था। वह आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहीदीन का एक्टिव मेंबर था।

संपादकीय

कातिल सड़कें

वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। हाल ही में दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे पर पानीपत के निकट रॉन्ग साइड से आए एक ट्रक ने पांच लोगों की जान ले ली। बताया जाता है कि ड्राइवर नशे में था। रास्ते में जो आया उसे कुचलता चला गया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। वे लोग जो अपने परिवारों के भरण-पोषण के संघर्ष में जुटे रहते हैं। जिनके लिये यह जीवनभर का दुख बन जाता है। वहीं कई घायल जीवनभर के लिये विकलांगता झेलने को अभिशप्त हो जाते हैं। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है। देश की इन कातिल सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। यह आंकड़ा भयावह है और इस गंभीरता को संबोधित करने की जरूरत बताता है। दरअसल, वर्ष 2014 से 2023 के बीच सड़क हादसों में 15.3 लाख लोग मारे गए। बताते हैं कि सड़क हादसों में मरने वाले लोगों में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। यह हमारी व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर कर रहा है कि क्यों हर साल डेढ़ लाख लोग मारे जा रहे हैं। सवाल उठाया जा सकता है कि आखिर भारत की सड़कों पर चलना जान हथेली पर लेकर चलने जैसा क्यों होता जा रहा है? आखिर दस साल में केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ जैसे शहर की आबादी से ज्यादा लोग क्यों अकारण मौत के मुंह में चले जाते हैं? आखिर उन लोगों का क्या कसूर था कि उनके हिस्से में ऐसी दर्दनाक मौत आई? आखिर क्यों हम पूरी दुनिया में सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मरने वाले देश के रूप में जाने जाते हैं? ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। हालांकि, देश में समय के साथ वाहनों की संख्या और सड़क निर्माण में भी वृद्धि हुई है, लेकिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सड़क सुरक्षा के तमाम उपायों के बावजूद देश में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या कम क्यों नहीं हो रही है। इसके लिये ट्रैफिक व सामान्य पुलिस को सतर्क करने तथा यात्रियों को जागरूक करने की भी जरूरत है।

(चिंतन-मनन)

मूल्य भावना का

भगवान बुद्ध जेतवन में ठहरे हुए थे। हर सुबह वह भिक्षावृत्ति को निकलते तो उन्हें मार्ग में एक किसान अपने खेत में काम करता मिलता। अपने कार्य के प्रति उसकी निष्ठा देख बुद्ध के मन में उसके लिए करुणा उमड़ी। वह प्रतिदिन वहां रुककर उस किसान को कुछ उपदेश देने लगे। जब उस किसान की फसल तैयार हुई तो उसने संकल्प किया कि वह अपनी फसल का एक हिस्सा भगवान बुद्ध को और भिक्षु संघ को भेंट करेगा। दुर्योगवश उसी रात मूसलाधार वर्षा हुई और उसकी सारी फसल चौपट हो गई।

अगले दिन जब भगवान बुद्ध वहां से गुजरे तो उन्होंने किसान को वहां रोता हुआ पाया। पूछने पर किसान उनको सारी घटना सुना कर बोला, ह्यह्यप्रभु! मुझे दुख अपने नुक्सान का नहीं, वरन इस बात का है कि मैं आपकी सेवा का यह अवसर चूक गयाह्लह्ल

बुद्ध मुस्कराए और बोले, ह्यभंते! मूल्य वस्तुओं का नहीं, भावनाओं का होता है। तुम्हारे हृदय में उमड़ी भावनाएं तो मुझ तक कल ही पहुंच गई थीं। इनके कारण तुम उससे ज्यादा पुण्य के भागी बन गए हो, जितना तुम उस फसल को समर्पित करके बनते। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ हैह्लह्ल किसान की आंखें यह सुनकर नम हो उठीं।

भारत का आर्थिक विकास एवं अतिगरीबी में कमी

–प्रहलाद सबनानी–

विश्व के विभिन्न देशों, विशेष रूप से विकसित देशों, में अतिगरीबी को कम करने के लिए लम्बे आर्थिक विकास के चक्र की आवश्यकता रही है। यह सही है कि इन देशों में लम्बे समय तक तेज गति से हुए आर्थिक विकास एवं पूंजी निर्माण के चलते ही अतिगरीबी को कम किया जा सका है, परंतु, इन देशों में अतिगरीबी का उन्मूलन तो शायद अभी भी नहीं हो पाया है। विकासशील देशों सहित विकसित देशों, विशेष रूप से अमेरिका में तो आज भी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की अच्छी खासी संख्या दिखाई देती है। जबकि अमेरिका में तो विकास का चक्र बहुत लंबे समय तक लगभग लगातार चलता रहा है। भारत में पिछले 10 वर्षों में अतिगरीबी को कम करने सम्बंधी क्षेत्र में अतुलनीय कार्य हुआ है एवं अतिगरीबी में जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है।

भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में आंकड़ों के साथ कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में यह बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के गरीबतम नागरिकों तक पहुंच रहा है।

वैश्विक स्तर पर गरीबी को दूर करने सम्बंधी कई दीर्घकालीन लक्ष्यों को विभिन्न देशों के लिए निर्धारित किया गया है। इन लक्ष्यों में इस धरा से अतिगरीबी को समाप्त करने का लक्ष्य भी शामिल हैं। कोविड महामारी के खंडकाल एवं इसके बाद के खंडकाल में पूरे विश्व में केवल भारत ने ही अतिगरीबी को कम करने में अतुलनीय सफलता अर्जित की है। अन्यथा, कई विकसित देश तक आज भी कोविड महामारी के समय के विपरीत आर्थिक परिणामों से उबर नहीं पाए हैं। भारत ने अन्य कई अमीर देशों की तुलना में भी अच्छी सफलताएं अर्जित की हैं। दक्षिणी अफ्रीका, जो भारत से तीन गुणा अधिक अमीर है और ब्राजील, जो भारत से 2.5 गुणा अधिक अमीर है, की तुलना में भारत में अतिगरीबी तेज गति से कम हुई है। इसलिए यहां प्रशन्न यह नहीं है कि आपके पास कितने संसाधन उपलब्ध हैं बल्कि प्रशन्न यह है कि आप इन संसाधनों का कितनी सक्षमता से उपयोग कर पा रहे हैं। भारत अपने पास उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का दक्षता से उपयोग करने में सफल रहा है, इसी के चलते आज भारत में निरपेक्ष गरीबी, कुल जनसंख्या के, 3 प्रतिशत से भी कम रह गई है। इस प्रकार, पूरे विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश होने के बावजूद भारत आज इस मामले में विकसित देशों के आसपास पहुंच गया है। वर्तमान काल में यह पहली बार हुआ है कि भारत में निरपेक्ष गरीबी, 3 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। पिछले 75 वर्षों से भारत में गरीबी कम करने हेतु लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं परंतु इस क्षेत्र में सफलता अब जाकर मिली है।

दीर्घकालीन लक्ष्यों में माताओं की मृत्यु दर एवं बच्चों की मृत्यु दर भी शामिल है। बच्चे को जन्म देते समय माताओं की मृत्यु की संख्या में भी भारत में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। जबकि, विश्व के अन्य कई देशों में अभी भी यह संख्या भारत से कहीं अधिक है। हाल ही के समय में भारत में विश्व के अन्य देशों की तुलना में इस क्षेत्र में तेज गति से कमी हो रही है। इसी प्रकार, भारत में बच्चों की मृत्यु दर में भी कमी दृष्टिगोचर है। माताओं एवं बच्चों की मृत्यु दर में कमी देश के प्रत्येक राज्य में दिखाई दे रही है।

भारत के बारे में यह धारणा बनाए जाने का प्रयास किया जाता है कि भारत एक असहिष्णु देश हैं। जबकि इस सम्बंध में हाल ही में जारी किए गए आंकडें कुछ और ही कहानी बता रहे हैं। हाल ही के समय में भारत में दंगों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है। भारत में पिछले 50 वर्षों से जहां प्रति वर्ष लगभग 100, 000 दंगे होते रहे हैं, वह अब घटकर 40, 000 के नीचे आ गए है। भारत आज पूरे विश्व में ही सबसे अधिक शांतिप्रिय देश माना जा रहा है।

भारत में महिलाओं के विरुद्ध अत्याचारों, विशेष रूप से रैप के मामलों में, भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। यह कमी भारत के समस्त राज्यों में दिखाई दी है। अपवाद स्वरूप केवल राजस्थान, झारखंड एवं हरियाणा ही रहे हैं। महिलाओं के विरुद्ध अत्याचारों में हुई इस कमी के पीछे सबसे बड़ा कारण भारत में शौचालयों के निर्माण को बताया जा रहा है। क्योंकि पहिले महिलाओं को शौच के लिए बाहरी इलाकों में जाना पड़ता था जिससे महिलाओं पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार होने की सम्भावना अधिक बढ़ जाती थी। परंतु, अब स्वच्छ भारत अभियान के बाद महिलाओं के घर के अंदर रहने के कारण इस प्रकार के अत्याचारों में भारी कमी दिखाई दी है। हाल ही के समय में महिलाओं पर अत्याचारों में 22 प्रतिशत की कमी आई है तो महिलाओं पर रैप के मामलों में 14 प्रतिशत की कमी आई है।

भारत में बिजली की उपलब्धता में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है। कुछ वर्ष पूर्व तक सबसे गरीबतम परिवारों में से केवल आधी आबादी के पास ही बिजली की उपलब्धता थी जबकि आज उक्त समूह के 90 प्रतिशत से अधिक परिवारों के पास बिजली की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

भारत में सबसे अधिक गरीबतम परिवारों के बीच प्रति परिवार प्रतिमाह खर्च करने की क्षमता में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है। अनुसूचित जाति के परिवारों की प्रतिमाह खर्च करने की क्षमता में 178 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रत्येक गरीब परिवार का प्रतिमाह खर्च तेजी से बढ़ रहा है। इसे ही तो समावेशी विकास की संज्ञा दी जा सकती है।

उक्त रिसर्च पेपर में यह भी दशार्या गया है कि शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे सबसे निचले तबके के 20 प्रतिशत परिवारों के पास आज कितने दोपहिया वाहन उपलब्ध है। 10 वर्ष पूर्व तक सबसे निचले तबके के केवल 6 प्रतिशत परिवारों के पास ही दोपहिया वाहन उपलब्ध थे जबकि आज 40 प्रतिशत परिवारों के पास दो पहिया वाहन उपलब्ध हैं। इन आंकड़ों के माध्यम से इस वर्ग के परिवारों की आय में हो रही वृद्धि को ही दशार्या गया है। यह वृद्धि ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही इलाकों में हुई है, यह सबसे अधिक सुखद परिणाम है। इस प्रकार आज भारत में ग्रामीण इलाकों ने भी विकास की रफ्तार पकड़ ली है। अब तो ग्रामीण इलाकों में भी ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था करने का समय आ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी ढांचागत विकास को और अधिक तेज करने की आज महती आवश्यकता महसूस की जा रही है। भारत के गांव अब पुराने गांव नहीं रह गए हैं बल्कि नए परिवेश में ग्रामीण इलाकों में भी समस्त प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होने लगी हैं। आज कई उपभोक्ता वस्तुओं का व्यापार करने वाली कम्पनियों के व्यापार में वृद्धि शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक हो रही है।

भारत के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत परिवारों के बीच आज खाने पीने का स्वरूप भी बदल रहा है। पहिले फलों को विलासिता की वस्तु के रूप में पेश किया जाता था। परंतु आज फलों एवं सब्जियों के उपयोग को आवश्यकता के तौर पर देखा जा रहा है एवं इनके उपयोग में भारी वृद्धि दिखाई दे रही है। देश में सबसे गरीब 10 प्रतिशत परिवारों में 10 वर्ष पूर्व तक केवल 31 प्रतिशत परिवार ही ताजा फलों का उपयोग कर पाते थे जबकि आज इस समूह के 70 प्रतिशत परिवारों द्वारा ताजा फलों का उपयोग किया जा रहा है। कुछ वर्ष पूर्व तक छतीसगढ़ राज्य में बहुत कम परिवार ही दूध का उपयोग कर पा रहे थे जबकि आज 55 प्रतिशत से अधिक परिवारों में दूध का उपयोग हो रहा है। आज भारत में मौसमी ताजा फलों की उपलब्धता भी बारहों महीने रहने लगी है क्योंकि अब रेफ्रीजरेटर एवं भंडारण की उपलब्धता भी बढ़ी है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना का पर्याप्त विकास हुआ है। उत्पादों की आपूर्ति चैन की सुविधाओं में विस्तार हुआ है, यातायात की सुविधाएं विकसित हुई हैं एवं ग्रामीण इलाकों तक अच्छे मार्गों का निर्माण हुआ है, जिसके चलते आज फलों एवं सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने के साथ साथ इनकी खपत भी देश में बढ़ी है।

विभिन्न दीर्घकालीन लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर भारत के तेजी से आगे बढ़ने पर हमें गर्व होना चाहिए परंतु दुर्भाग्य है कि हम इन उपलब्धियों पर आपस में चर्चा भी नहीं करते हैं।

पाकिस्तान कत्तई न जाए भारतीय क्रिकेट टीम

–डॉ. आर.के. सिन्हा–

पाकिस्तान ने ही 1948, 1965, 1971 और कारगिल के युद्ध शुरू किए। यह अलग बात है कि उसे हर बार कसकर मार पड़ी। पर वह तो एक नंबर का धूर्त है। उसे मार खाने में ही आनंद आता है। हालांकि यह भी सच है कि पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद ने भारत पर गहरा प्रभाव डाला है। दशकों से, विभिन्न आतंकवादी समूहों ने भारत में कई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है, जिससे बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों को चोटें लगी हैं और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है।

भारत ने साफ कर दिया है कि उसकी क्रिकेट टीम आगामी साल पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग नहीं लेगी। इस तरह से उसने दुनिया को एक सख्त और स्पष्ट संदेश दे दिया है कि जब तक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक भारत अपने पड़ोसी मुल्क के साथ अन्य क्षेत्रों में भी सामान्य व्यवहार का दृष्टिकोण नहीं रख सकता। भारतीय क्रिकेट टीम का पाकिस्तान में क्रिकेट न खेलना एक जटिल मुद्दा है, जिसके राजनीतिक और सुरक्षात्मक दोनों पहलू हैं। आपको इस तरह के कई पिलपिले तर्क देने वाले मिल जाएँगे कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिए। क्रिकेट के माध्यम से दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध बेहतर हो सकते हैं। खेल प्रशंसकों को एकजुट करता है और सद्भावना का संदेश देता है। तो क्या हम इस काल्पनिक सद्भावना के लिये अपने लोकप्रिय खिलाड़ियों की जान खतरे में डाल दें? पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। हाल के दौर में वहां पर दर्जनों चीनी नागरिकों और सेना के जवानों का कत्ल हो चुका है। पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन सरकार के खिलाफ बागी तेवर अपनाते हुए आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में खुलेआम लगे हुए हैं। क्या इन परिस्थितियों में हमें अपनी टीम को सीमा के उस पार भेजना चाहिए? कहना न होगा कि इस तरह का कोई भी कदम बहुत महंगा पड़ सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से राजनीतिक तनाव चल रहा है, जिसके कारण दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य नहीं हो सके, न तो होने की कोई संभावना ही दिख रही है। इसलिए, सुरक्षा चिंताएं एक महत्वपूर्ण कारण हैं, राष्ट्रहित में लिये गए इस निर्णय का! पाकिस्तान में सुरक्षा की स्थिति कभी भी स्थिर नहीं रहती। इसलिए भारतीय खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता करना लाजिमी है। यह याद रखना होगा कि कुछ साल पहले पाकिस्तान में श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर भीषण हमला लाहौर शहर में हुआ था। श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर यह हमला 3 मार्च 2009 को हुआ था, जब लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम के पास एक बड़े काफिले का हिस्सा श्रीलंकाई क्रिकेटरों को ले जा रही एक बस पर 12 बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी। क्रिकेटर पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन खेलने के लिए जा रहे थे। उस घटना को सारी दुनिया ने अपने टीवी सेटों और मोबाइल सेटों पर देखा था। भारत यूं ही पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप नहीं लगाता। पाकिस्तान ने भारत पर बार-बार प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकवादी हमले किये है। पाकिस्तान ने ही 1948, 1965, 1971 और कारगिल के युद्ध शुरू किए। यह अलग बात है कि उसे हर बार कसकर मार पड़ी। पर वह तो एक नंबर का धूर्त है। उसे मार खाने में ही आनंद आता है। हालांकि यह भी सच है कि पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद ने भारत पर गहरा प्रभाव डाला है। दशकों से, विभिन्न आतंकवादी समूहों ने भारत में कई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है, जिससे बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों को चोटें लगी हैं और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। इन हमलों के परिणामस्वरूप भारत को व्यापक आर्थिक नुकसान हुआ है। मुंबई पर हुए 2008 के आतंकवादी हमलों में हुए नुकसान का आंकलन करना मुश्किल है, क्योंकि; इसमें मानवीय और आर्थिक दोनों तरह के नुकसान शामिल हैं। मुंबई हमलों में 164 से ज्यादा लोग मारे गए, जिसमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। सैकड़ों लोग घायल हुए, कई को गहरी चोटें आईं। उस भयावह हमलों के बाद मुंबई पहले की तरह कभी नहीं हुई। हमलों का उन लोगों पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा जो जीवित बचे, उनके परिवारों और समूचे शहर पर। अगर आर्थिक नुकसान की बात करें तो हमलों से संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ, जिसमें होटल, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। मरम्मत और पुनर्निर्माण की लागत का सटीक आकलन तो नहीं किया जा सकता। पर्यटन उद्योग पर भारी प्रभाव पड़ा, जिससे व्यापार में गिरावट आई और सैकड़ों की नौकरियां चली गईं। यह आर्थिक नुकसान दीर्घकालिक था। सारी दुनिया जानती है कि हमला पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से किया था। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है। भारत ने लाहौर में अपने सभी मैचों को दुबई में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है, क्योंकि भारतीय सरकार अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलना नहीं चाहती। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने और साथ ही सामान्य व्यवहार को अपनाने की दोहरी नीति नहीं अपनाना चाहता। यह पाकिस्तान को जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के लिए अपने छद्म समर्थन को वैध बनाने की अनुमति देगा। पाकिस्तान इसलिए भारतीय टीम की भागेदारी चाहता है कि अगर उसने भाग नहीं लिया तो सारा आयोजन चौपट हो जाएगा। प्रायोजक नहीं आएंगे। जरा सोचिए कि जब पाकिस्तान चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाता तो भारतीय टीम की क्या करेगा। चीन के सामने तो सारी पाकिस्तान सरकार कटोरा लेकर खड़ी रहती है। पाकिस्तान में बीते अक्टूबर महीने में कराची हवाई अड्डे के पास आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिक मारे गए और कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। विस्फोट सिंध प्रांत में बिजली परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले पर हुआ था। पृथकतावादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं में शामिल चीनी नागरिकों पर बार-बार हमले किए हैं, ने कहा है कि उसने हमला किया है। इसने कहा कि उसने कराची हवाई अड्डे से आ रहे ₹चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के एक काफिले₹ को ₹निशाना बनाया₹। यह हमला उस वक्त हुआ है जब पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा था। यह भी याद रखा जाए कि चीनियों पर हमला उस वक्त हुआ था जब वहां इंग्लैंड की क्रिकेट टीम टेस्ट मैच खेल रही है। जाहिर है, आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान का यह दावा तार-तार हो गया है कि वहां हालात सामान्य हैं। बहरहाल, भारत को अपने स्टैंड पर कायम रहना चाहिए। भारत को अपनी क्रिकेट टीम किसी भी सूरत में पाकिस्तान नहीं भेजनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

–ललित गर्ग–

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी।

दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा।

आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरूआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खचीर्ली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है।

केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पधाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं।

अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है। इसीलिये आधुनिक बीमारियों को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में तरह-तरह की बीमारी रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि शारीरिक निष्क्रियता भी बीमारियों की जड़ है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम और खेलकूद से वजन को नियंत्रित किया जा सकता है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। योग एवं आयुर्वेद में आशावादी दृष्टिकोण एवं आहार संयम को अपनाने की बात की जाती है।

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिये संकल्प जगाने एवं प्रमाद त्यागने पर बल दिया जाता है। संतुलित जीवन जीने एवं तनावों-दबावों को अपने पर हावी न होने देने के साथ आयुर्वेद दवाओं को उपयोग में लाया जाता है, जिससे बीमारी पर नियंत्रण करने का प्रभावी असर देखने को मिलता है। सोचो, जिन्दगी मात्र जीने के लिये नहीं, स्वस्थता एवं सरसता से जीने के लिये हैं और योग-आयुर्वेद उसका अचूक उपाय है। आयुर्वेद एवं योग रूपी जीवनशैली, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से तरह-तरह की बीमारियों को रोका जा सकता है।

रुड़की में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक हादसे में चालक और परिचालक घायल हो गए. जिन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती किया गया

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

रुड़की: हरिद्वार के रुड़की में स्क्रैप से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया. हादसे में चालक और परिचालक गंभीर घायल हो गए. गनीमत रही कि ट्रक में लगे सीएनजी के सिलेंडर नहीं फटे नहीं तो एक बड़ा हादसा भी हो सकता था. हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई. सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर चालक और परिचालक को बमुश्किल बाहर निकाला. जिसके बाद टीम ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया. पुलिस द्वारा ट्रक मालिक को घटना की जानकारी दे दी गई दरअसल, आज सुबह 3 बजकर 55 मिनट पर कंट्रोल रूम द्वारा दमकल विभाग की टीम को सूचना मिली कि हरिद्वार-दिल्ली बाईपास पर स्थित सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के बसंत हवेली ढाबे के पास अनियंत्रित होकर एक स्क्रैप से भरा ट्रक पलट गया है. साथ ही ट्रक के केबिन में दो लोग फंसे हुए हैं, इस सूचना पर तत्काल दमकल विभाग की टीम और पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. जिसके बाद पुलिस और दमकल कर्मियों की टीम ने ट्रक के केबिन में फंसे ट्रक चालक आकाश पाल पुत्र विजेन्द्र निवासी सेठी, थाना सिविल लाइन मुजफ्फरनगर और परिचालक विशाल पाल पुत्र सत्यपाल, निवासी रामपुरी मोहल्ला थाना सिविल लाइन मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश को बमुश्किल बाहर निकाला गया.

एसपी देहात ने किया कोतवाली का निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

एसपी देहात में आज रूड़की सिविल लाइन कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया।। इस दौरान उन्होंने कोतवाली के दस्तावेजों और हथियारों का बारीकी से निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर सभी को दिशा निर्देश दिए गए।।वही सिविल लाइन कोतवाली में साफ सफाई के और सभी कार्यों को लेकर संतुष्ट दिखे।।साथ ही जवानों के कल्याण के लिए क्या बेहतर है उन अभी विषयों पर भी चर्चा की गई।

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीदार को सौंपा ज्ञापन

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

रुड़की इकबालपुर शुगर मील के गन्ना भुगतान और गन्ने का मूल्य बढ़ाने साथ ही मील को जल्द शुरू करने को लेकर भारतीय किसान यूनियन अम्बावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम एक ज्ञापन भगवानपुर के तहसीलदार दयाराम को सौंपा भारतीय किसान यूनियन अम्बावत के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौधरी ने कहा की किसानों की समस्याओं को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने तहसीलदार से मुलाकात की और किसानों की समस्याओं से अवगत कराते हुए उन्हें एक ज्ञापन सौंपा वही प्रदेश उपाध्यक्ष ने भी बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर आज वह लोग एस डी एम कार्यलय पहुँचे जहाँ उन्होनो तहसीदार को एक ज्ञापन दिया है वही तहसीलदार दयाराम ने भी बताया कि की किसानों के ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का काम किया जाएगा

मानकों को बच्चों तक पहुंचाना बेहद जरूरी: कौशिक

मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना कार्यशाला का शुभारंभ

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार। विधायक मदन कौशिक ने मानकों की पहुंच बच्चों तक पहुंचाने में शिक्षकों की भूमिका को काफी महत्वपूर्ण बताया है। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित -₹मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना₹ कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने यह बात कही। हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग और सिरमौर जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्थापित स्टैंडर्ड क्लब के मेंटर व अन्य विज्ञान शिक्षकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। भूपतवाला स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में मदन कौशिक ने कहा कि शिक्षक इस तरह की कार्यशाला से सीखेंगे, वह स्कूल में जाकर बच्चों को सिखाएंगे और इससे बच्चों को मानकों की जानकारी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो के पास विभिन्न वस्तुओं को प्रमाणित करने की जिम्मेदारी है। यह बेहद महत्वपूर्ण कार्य है और इससे देश विकास की राह में आगे बढ़ रहा है। बीआईएस देहरादून शाखा के निदेशक व प्रमुख सौरभ तिवारी ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला का उद्देश्य मानकों में निहित विज्ञान का सार बच्चों तक पहुंचाना है, जिसमें शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मानक बनाने की प्रक्रिया में बच्चे भी शामिल हों तथा अपने सुझाव दें, इसे लेकर स्कूलों में स्टैंडर्ड क्लब संचालित किए गए हैं। कार्यशाला में बीआईएस के वैज्ञानिक सचिन चौधरी, रिसोर्स पर्सन अनन्त भास्कर व डा. मनीषा गर्ग ने बीआईएस तथा स्टैंडर्ड क्लब की गतिविधियों के संबंध में प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखने को लेकर जानकारी दी गई। कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए 52 लेसन प्लान उपलब्ध कराए गए। इनके आधार पर शिक्षक अब अपने विद्यालयों में बच्चों को मानकों के विषय में जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

महंत स्वामी सहजानंद महाराज पूरी का महामंडलेश्वर पद पर अभिषेक किया और उन्हें शुभकामनाएं दी

मिशन नेशनल न्यूज /लव कुमार शर्मा

हरिद्वार/ ज्वालापुर स्थित अद्वैत स्वरूप अनमोल आश्रम के महंत स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज को संत समाज और श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति में श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी के महामंडलेश्वर पद पर अभिषिक्त किया गया। निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी महाराज की देखरेख में अद्बैत स्वरूप अनमोल आश्रम में संपन्न हुए पट्टाभिषेक समारोह में अखाड़ों के संत महापुरूषों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूर्ण विधि विधान से तिलक चादर प्रदान कर महंत स्वामी सहजानंद महाराज पूरी का महामंडलेश्वर पद पर अभिषेक किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। ब्रह्म कुमरियों ने भी स्वामी सहजानन्द पुरी को शुभकामनाएं दी।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने संदेश भेजकर महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज को बधाई दी। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि देश को सांस्कृतिक व आध्यात्मिक रूप से एकजुट करने में संत महापुरूषों ने हमेशा अहम भूमिका निभायी है। निंरजनी अखाड़े के नवनियुक्त महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज आदि गुरू शंकराचार्य द्वारा धर्म रक्षा के लिए स्थापित अखाड़ा परंपरा को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे। श्रीमहंत रामरतन गिरी महाराज ने कहा कि महंत स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज विद्वान संत हैं। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर के रूप में स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ अखाड़े की परंपराओं को भी आगे बढ़ाएंगे। विधायक मदन कौशिक ने कहा कि त्यागमयी जीवन व्यतीत करते हुए सदैव समाज कल्याण के लिए तत्पर रहने वाले संत महापुरूष सभी के लिए वंदनीय हैं। महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज अपनी विद्वता से समाज को नई दिशा प्रदान करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी एवं स्वामी केशवानंद महाराज ने कहा कि भक्तों की ज्ञान की प्रेरणा देकर सनातन धर्म संस्कृति को मजबूती प्रदान करना संतों का प्रमुख दायित्व है। महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज संत परंपराओं का पालन करते हुए सनातन धर्म को मजबूती प्रदान करेंगे। महंत साधनानंद एवं स्वामी आदियोगी महाराज ने कहा कि संत समाज को पूरा विश्वास है कि महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज अपने तप और विद्वता से समाज का मार्गदर्शन करते हुए सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाएंगे। महंत नरेश गिरी, महंत गोविंददास एवं महंत राकेश गिरी ने कहा कि महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज सनातन धर्म को नई ऊंचाईयां प्रदान करने में योगदान करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज ने सभी संत महापुरूषों का आभार व्यक्त करते हुए निरंजनी अखाड़े द्वारा जो दायित्व उन्हें सौंपा गया है। संत परंपराओं के अनुरूप उस दायित्व का पालन करते हुए अखाड़े की उन्नति में योगदान और समाज को धर्म और अध्यात्म की प्रेरणा देना ही उनके जीवन का उद्देश्य है। ट्रस्टी अम्बरीष त्यागी व अमित वालिया ने सभी संत महापुरूषों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर शहर विधायक मदन कौशिक, श्रीमहंत रामरतन गिरी, स्वामी ललितानंद गिरी, स्वामी केशवानंद, महंत साधनानंद, स्वामी आदियोगी, महंत नरेश गिरी, महंत गोविंददास, महंत राकेश गिरी, महंत दामोदर दास, स्वामी निर्मल दास, संत बलवीर सिंह, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी दिनेश दास, निवृतमान पार्षद अनिरूद्ध भाटी, गौरव भाटिया, डा.विशाल गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

नगर निगम चुनाव को लेकर बैठक आयोजित

मिशन नेशनल न्यूज /लव कुमार शर्मा

हरिद्वार/ महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा वार्ड नं 5 गंगाधर महादेव नगर में हिल बाईपास स्थित वैरागी धर्मशाला में नगर निगम चुनाव को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और प्रभारी वरूण बालियान ने कहा कि आगामी निकाय चुनाव में भाजपा को हरिद्वार कारिडोर योजना के बारे में हरिद्वार की जनता को अवगत कराना होगा कि सौंदर्यीकरण के नाम पर शहर को उजाड़ने का क्या औचित्य है?,जनता डकैती, चैन स्नैचिंग और महिलाओं के साथ बढ़ते अपराधों का लेकर भी भाजपा सरकार से सवाल पूछेगी। यूथ कांग्रेस महानगर अध्यक्ष तुषार कपिल और जिला महानगर कांग्रेस उपाध्यक्ष बलराम गिरी कड़क ने कहा कि हरिद्वार की जनता भाजपा से आगामी निकाय चुनाव में सवाल करेगी कि हरिद्वार तीर्थस्थल की छवि को धूमिल किसके इशारे पर किया जा रहा है।ब्लॉक अध्यक्ष विमल शर्मा साटू और वरिष्ठ नेता राजेश गोस्वामी ने कहा कि आने वाले निकाय चुनाव में कांग्रेस हरिद्वार कारिडोर,शहर में बढ़ते अपराधों को लेकर जनता के बीच में जाकर भाजपा को बेनकाब करेगी। इस अवसर पर जिला महासचिव यूथ कांग्रेस शुभम जोशी, वार्ड अध्यक्ष पवन शर्मा, वार्ड कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, पवन अरोड़ा, गार्गी राय, अनुज माहेश्वरी, नरेंद्र राजपूत, नीरज पाल, देव शर्मा, सुरेन्द्र कुमार, सोनू, हिमांशु पंत, शानू गिरी आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

आकांक्षी जनपद के अन्तर्गत चल रहे विकास कार्यों की गहनता से समीक्षा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार - वस्त्र एवं विदेश केन्द्रीय राज्यमंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने सोमवार को जिला कार्यालय सभागार पहुँचकर जनपद में आकांक्षी जनपद के अन्तर्गत चल रहे विकास कार्यों की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाया जाये, शतप्रतिशत एएनसी रजिस्टर्ड हों तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जाये। उन्होंने कहा कि जनपद को एनीमिया मुक्त बनाया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि माइग्रेट गर्भधात्रियों को चिन्हित करते हुए सम्बन्धित जिलों से उनके इन्स्टीट्यूशनल या होम डिलीवरी आदि के बारे में जानकारी लेने का मैकेनिज्म विकसित किया जाये। उन्होंने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा मुहैया कराई जाये, ड्रॉप आउट बच्चों को चिन्हित किया करते हुए शिक्षा से जोड़ा जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले 03 से 6 वर्ष तक के बच्चों के बौद्धिक एवं शारीरिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने जनपद में सिंचाई कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में ड्रिप तथा स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा दिया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में युवाओं को उनकी इच्छा के अनुरूप कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाये। जनपद में 15 से 29 वर्ष तक की आयु वर्ग के व्यक्तियों को चिन्हित किया जाये तथा रोजगार से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर सूचनाएं एकत्रित की जायें। उन्होंने जनपद के सामाजिक एवं आर्थिक विकास, जनसंख्या, प्रशासनिक ढ़ांचा, आकांक्षी जनपद के अन्तर्गत अचीवमेंट, हैल्थ एण्ड न्यूट्रीशन, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास, आधारभूत संरचनाओं आदि के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि जनपद हर सेक्टर में अच्छा कार्य कर रहा है और आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी सेक्टर में अच्छी पफोर्मेन्स पर जिलाधिकारी, जिला प्रशासन सहित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से कहा कि जनपद में चिकित्सा, शिक्षा, क्षेत्र के आर्थिक विकास हेतु सुझाव दिये जाये, यदि पोलिसी परिर्तन की आवश्यकता हो तो उसकी की कारण सहित जानकारी दी जाये ताकि उन्हें अपनी रिपोर्ट में शामिल करते हुए सम्बन्धितों के समक्ष प्रमुखता से पैरवी करते हुए पक्ष रखा जा सके बैठक में विधायक वीरेन्द्र जाती, ममता राकेश द्वारा शिक्षा तथा स्वास्थ्य से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि बैठक में दिये गये दिशा-निदेर्शों का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा तथा जनपद के विकास हेतु आपसी समन्वय से और अधिक बेहतर ढ़ंग से कार्य कराये जायेंगे। बैठक में विधायक वीरेन्द्र जाती, ममता राकेश, हरिद्वार विधायक प्रतिनिधि एस भार्गव, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, परियोजना निदेशक केएन तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.आरके सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी केके गुप्ता, एपीडी नलिनीत घिल्डियाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

शराब तस्कर चढा पुलिस के हत्थे 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

नशा तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ह्ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान 2025ह्व को साकार करने के लिये जनपद को नशा मुक्त करने व नशा (अवैध शराब/स्मैक/चरस/ गांजा आदि)तस्करों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम में वरिष्ठ पुलिसअधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा जनपद के सभी कोतवाली/थानो के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को लगातार निर्देशित किया जा रहा है ।

प्रभारी निरीक्षक लक्सर द्वारा नशीले पदार्थो की अवैध तस्करी/बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु थाना स्तर पर अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर क्षेत्र में एक्टीव किया गया । गठित पुलिस टीम द्वारा दिनाक 17.11.2024 को थाना क्षेत्र में सक्रिय रहकर जगह-जगह छापेमारी कर 01शराब तस्कर को लक्सर क्षेत्र से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ थाना क्षेत्र से पकड़ा गया।

अवैध शराब के साथ पकडे गये आरोपी के विरुद्ध कोतवाली लक्सर पर आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

नाम पता आरोपी

अनिल पुत्र तुला राम निवासी ग्राम सीधडू थाना

कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार।

बरामदगी –

10 लीटर अवैध कच्ची शराब।

पुलिस टीम

1-उ0नि0 कर्मवीर सिह
2-हे0कांनि0 शूरवीर सिह
3-कांनि0 मोहित खन्तवाल

नशा तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस की प्रभावी कार्रवाई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

जनपद हरिद्वार में (अवैध शराब/स्मैक/चरस/गांजा आदि) तस्करों के विरुद्ध वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम में प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर को निर्देशित किया गया । प्रभारी कोतवाली ज्वालापुर द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत अलग-अलग टीमों का गठन किया गया टीमों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उपरोक्त आदेश के क्रम में दिनांक 18/11/24 को दौराने चैकिंग आरोपी राजू पुत्र सुभाष निवासी कुम्हार गढ़ा थाना कनखल जनपद हरिद्वार को ट्रांसपोर्ट नगर निकट कब्रिस्तान के पास से बिना नंबर की स्कूटी (ळश्र जुपिटर)पर 51 पव्वे देशी शराब माल्टा मार्का परिवहन करते पकड़ा गया।

आरोपी के विरुद्ध कोतवाली ज्वालापुर पर आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

नाम व पता आरोपी

राजू पुत्र सुभाष निवासी कुम्हार गढ़ा थाना कनखल जनपद हरिद्वार।

बरामदगी

1-बिना नम्बर स्कूटी (ळश्र जुपिटर)।
2-51 पव्वे देशी शराब।

पुलिस टीम

1-हे0कां0 हिमेश चंद्र
2-कां0 मनोज डोभाल

S.P.R.A. स्वप्न किशोर सिंह पहुंचे कोतवाली रूड़की

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

एसपी ग्रामीण द्वारा सीओ रूड़की नरेंद्र पंत की उपस्थिति में कोतवाली रूड़की का अर्द्धवार्षिक निर-ीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री स्वप्न किशोर सिंह द्वारा प्रभारी निरीक्षक रुड़की व अन्य मातहतों को निम्नलिखित दिशा-निर्देश दिए-

1- निरीक्षण थाना भवन,बैरक, तथा मालगृह व हवालात-

सर्वप्रथम थाना परिसर/भवन व बैरक का निरीक्षण किया गया व बैरक का रखरखाव व साफ- सफाई संतोषजनक पाई गई। मालखाने के रखरखाव एवं संपूर्ण सरकारी संपत्ति को चेक किया गया तथा माल निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। हवालात खाली व सफाई संतोषजनक पायी गयी ।

2- निरीक्षण सरकारी संपत्ति तथा आर्म्स एम्युनेशन-

सरकारी संपत्ति, अस्लाह, बलवा नियंत्रण उपकरण, आपदा उपकरण का निरीक्षण किया गया, जिसका रखरखाव संतोषजनक पाया गया। कोतवाली रूड़की के अधिकारी/ कर्मचारीगण को अपनी उपस्थिति में वेपन हैंडलिंग कराई गयी व हैंडलिंग तथा शस्त्रों की साफ सफाई हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

3- कार्यालय/कंप्यूटर कक्ष व ' सॉफ्टवेयर निरीक्षण-

कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण करते हुए सीसीटीएनएस उअर सॉफ्टवेयर के संबंध में सभी अधिकारी व कर्मचारी गण को निरंतर रूप से कार्य किए जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा सीएम पोर्टल सहित अन्य पोर्टलों के माध्यम से प्राप्त होने वाली ऑनलाइन शिकायतों तथा चरित्र सत्यापन आदि को

निश्चित समय सीमा के अंदर संबंधित अधिकारी/ विभाग को रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया '

4- माल मुकदमाती, लावारिस व अन्य मालों का निरीक्षण-

लंबित माल मुकदमाती, लावारिस, कुर्की आदि मालों का निरीक्षण किया गया' मालों के रखरखाव के संबंध में आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए तथा एमवी एक्ट, लावारिस व अभियोगों से संबंधित मालों का शीघ्र निस्तारण व नीलामी प्रक्रिया किये जाने हेतु मालखाना मोहर्रिर को निर्देशित किया गया ।

5- निरीक्षण थाना अभिलेख--

उपलब्ध सभी अभिलेखों का निरीक्षण किया गया तथा उन्हे अध्यावधिक करने हेतु निर्देशित किया गया' अभिलेखों का रख-रखाव संतोषजनक पाया गया। तथा अभिलेखों को संबंधित शाखा व विभागों से मिलान किए जाने हेतु निर्देशित किया।

6- ब्रीफ-

अपराध नियंत्रण, रोकथाम, विवेचनाओं व शि-ाकायती प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध व शीघ्रता से विधिक निस्तारण किए जाने, वर्तमान में ईनामी/ वॉछित अभियुक्तों के विरूद्ध प्रचलित अभियान में रूचि लेकर अभियान को सफल बनाने हेतु निर्देशित किया गया।

हरिद्वार पुलिस ने हाइड्रोलिक ट्रॉली चोरी का किया खुलासा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

रात को खाताखेड़ी निवासी वसीम अहमद पुत्र मकसूद अहमद की हाइड्रोलिक ट्रॉली अज्ञात चोरों द्वारा रात्रि व घने कोहरे का लाभ उठाते हुए खाता खेड़ी गाँव से चोरी की गई थी।

जिस पर थाना हाजा पर वादी वसीम अहमद द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। उक्त हाइड्रोलिक ट्रॉली की चोरी के खुलासे हेतु थानाध्यक्ष झबरेडा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा गहन सुरागरसी पतारसी करते हुए व इलेक्ट्रानिक माध्यम से 02 अज्ञात व्यक्ति घने कोहरे की रात में खाता खेड़ी से ट्रैक्टर के जरिए चोरी कर ले जाते हुए दिखाई दिए।

उक्त चोरी की गई ट्रॉली की बरामद की हेतु अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप उक्त ट्रॉली की चोरी की वारदात में संलिप्त आरोपी जॉनी पुत्र ओम कुमार उर्फ पप्पू निवासी जोली साबुद्दीन थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार को जोली साबुद्दीन मंडावर क्षेत्र से पकड़ा गया।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई हाइड्रोलिक ट्रॉली व घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर बरामद किया गया।

उक्त ट्रॉली चोरी की वारदात में शामिल अभियुक्त के साथी की तलाश हेतु लगातार प्रयास जारी हैं।

नाम व पता आरोपी

01.जॉनी पुत्र ओम कुमार उर्फ पप्पू निवासी जोली साबुद्दीन थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वा-र।

बरामदा माल

हाइड्रोलिक ट्रॉली अनुमानित कीमत (03 लाख रुपए) ।

घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर

पुलिस टीम

01.थानाध्यक्ष झबरेड़ा अंकुर शर्मा
02.रकनितिन बिष्ट (क/उ इखबालपुर)
03. हेड कां0 रामवीर
04.हेड कां0 वीरेन्दर शर्मा
05.कां0 महिपाल (एस0ओ0जी0 रुडकी)

साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

साईबर सेल हरिद्वार के नोडल अधिकारी अपनी टीम सहित पहुंचे भूमानंद कॉलेज, लगाई गई साइबर अपराध की पाठशाला

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

जनपद हरिद्वार में साइबर अपराध की रोकथाम हेतु जिला मुख्यालय स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें जनपद की साइबर सेल टीम स्कूल, कॉलेजों एंव कंपनियों में जाकर वर्तमान समय में चल रहे साइबर अपराधों के विषय में जागरुक कर रही है ' उक्त क्रम में दिनांक 18-11-24 को एएसपी सदर/नोडल ऑफिसर साईबर सेल जितेन्द्र मेहरा द्वारा अपनी साइबर टीम सब इंस्पेक्टर प्रवीन रावत, हेड कांस्टेबल नीरज सिंह रावत के साथ मिलकर प्राधानाचार्य भूमानंद मेडिकल कॉलेज

डा0 एस0 अन्गरकन्नी, उप प्रधानाचार्य रजनी नरवान, मैनेजर राजेन्द्र प्रसाद की उपस्थिति में भूमानंद मेडिकल कॉलेज के सभी छात्र-छात्राओं एंव शिक्षकों तथा प्रशासनिक स्टॉफ को साईबर फ्रॉड एवं अन्य कानून के संबंध में विस्तृत रुप से जागरुक किया 'इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के लगभग 250 छात्र-छात्राएं एवं स्टॉफ मौजूद रहे।

जिनके द्वारा बाद जागरुकता कार्यक्रम के ए.एस.पी. द्वारा पूछे गये प्रश्नो का उत्तर देने मे बढचढकर भाग लिया । भूमानन्द मेडकिल कालेज प्रश-ासन द्वारा पुलिस के साईबर सुरक्षा जागरुकता अभियान की सराहना करते हुए भविष्य में भी कॉलेज में इस प्रकार का जागरुकता कैम्प लगाने का अनुरोध किया गया।

तीन दिनों में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 156 शराबियों का चालान, वाहन सीज

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून-: राजधानी में एक के बाद एक हो रहे सड़क हादसों ने दून पुलिस को राजधानी में रात्रि में चेकिंग व्यवस्था को दुरुस्त करने को मजबूर कर दिया है,जिसके चलते पुलिस कप्तान अजय सिंह द्वारा बीते दिनों अपनी शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रो की थाना पुलिस को अपने अपने क्षेत्रो में रात्रि में कड़ी चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए थे जिसके बाद से ही एसपी सिटी से लेकर एसपी ग्रामीण व क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में दोपहर से देर रात तक ओवर स्पीडिंग, रैश ड्राइविंग व शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाही को अंजाम देते हुए विगत 3 दिनों में 156 वाहनो को सीज किया है ।वहीं सड़क हादसों का एक बहुत बड़ी वजह शराब पीकर व तेज वाहन चलाने के चलते पुलिस कप्तान द्वारा चेकिंग टीम को अनिवार्य रूप से अपने साथ एल्कोमीटर के साथ चेकिंग करने को कहा है,जिसके चलते सभी पुलिस टीमो द्वारा अपने अपने क्षेत्रो में एल्कोमीटर से सभी बैरिकेडिंगो पर ट्रक, लोडर,कंटेनर,दोपहिया व चौपहिया वाहनो की चेकिंग की ।दून पुलिस विगत 03 दिनों में चेकिंग के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में शराब पीकर वाहन चलाने वाले 156 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। वहीं 156 वाहनों को 185 एम0वी0 एक्ट में सीज किया गया है। इसके साथ ही ओवरस्पीडिंग/ रैश ड्राइविंग तथा यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले 40 वाहनों को सीज करते हुए 125 वाहन चालकों का चालान करते हुए 82 हजार रुपये जुमार्ना वसूल किया ।पुलिस टीम द्वारा अपनी कार्यवाही में अनावश्यक रूप से रात में सड़को पर घूम रहे 26 संदिग्ध लोगो का पुलिस एक्ट में चालान कर 9 हजार रुपये जुमार्ना वसूल किया। वहीं रात्रि में संदिग्ध घूम रहे 136 लोगो को थाने लाकर उनका सत्यपान किया।

भाजपा को मिल रहा अपार जनसमर्थन

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

रूद्रप्रयाग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन आवाम में भाजपा को लेकर एक नया जोश भरने के लिए गुप्तकाशी में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन मे बाइक रैली निकाली और रैली निकालने के दौरान सीएम यही बोल रहे थे कि जन-जन की पुकार कमल खिलेगा फिर एक बार। मुख्यमंत्री की रैली मे उमडी भीड से यह साफ नजर आ रहा था कि वहां का चुनावी माहौल किस तरह से भाजपा के पक्ष मे खडा हुआ है। मुख्यमंत्री की रैली में हर तरफ यही पुकार चल रही थी कि एक बार फिर केदारनाथ मे कमल खिलने के लिए तैयार है। केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव प्रचार के अंतिम दिवस गुप्तकाशी में भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल के पक्ष में आयोजित विशाल बाइक रैली में सम्मिलित हुआ। इस दौरान बाइक रैली में शामिल युवाओं एवं स्थानीय लोगों से आगामी 2० नवम्बर के दिन भाजपा के पक्ष में भारी संख्या में मतदान करने की अपील की।

डीएम की चेतावनी को हल्के में लेना पड़ा कम्पनियों को मंहगा, नजीर साबित होंगे

डीएम का सख्त एक्शन, शहर में 47 वार्डो में कूड़ा उठान हेतु निविदा आमंत्रित !

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

उत्तराखण्ड देहरादून राजधानी स्थित शहर में कूड़ा उठान की लचर व्यवस्था पर प्रदर्शन में सुधार हेतु दी गई समयावधि में कुछ खास सुधार न किये जाने पर जनपद देहरादून डीएम/प्रशासक सविन बंसल के निर्देश पर नगर निगम देहरादून अन्तर्गत 47 वार्डो से डोर-टू-डोर कूड़ा उठान हेतु निविदाएं आमंत्रित कर दी गई हैं, शीघ्र ही 26 अन्य वार्डों से डोर-टू-डोर कूड़ा उठान हेतु निविदा आमंत्रित कर दी जाएगी। नगर निगम के 47 वार्डों से डोर-2-डोर कूड़ा उठान का कार्य वाटरग्रेस कम्पनी देख रही है तथा 26 वार्डो में कूड़ा उठान का कार्य इकोनवेस्ट मैनेजमेंट के पास है ।साथ ही लम्बे से समय से डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की शिकायतें प्राप्त हो रही थी, दून डीएम सविन बंसल ने जिलाधिकारी देहरादून एवं प्रशासक का पदभार ग्रहण करने ही शहर की डोर-टू-डोर कूड़ा उठान एवं सफाई व्यवस्था पर सख्त रूख अपनाएं हुए है। इन कम्पनियों पर मानक के अनुसार कूड़ा उठान कार्य न करने पर भारी भरकम अर्थदण्ड की कार्यवाही भी की गई हैं, किन्तु इसके इतर कम्पनी द्वारा अपने प्रदर्शन में सुधार नही किया गया तथा आए दिन जनमानस की शिकायतें मिलती रही, जिस पर जिलाधिकारी ने सख्त कदम उठाते हुए इन कार्यों हेतु निविदा के माध्यम से नई कम्पनियों को आमंत्रित किया है ।वही इस दौरान दून डीएम ने वाटरग्रेस कम्पनी तथा इकोनवेस्ट मैनेजमेंट से वापस लिया जा रहा है डोर-टू-डोर कूड़ा कलैक्शन का कार्य। दोनो ही कम्पनियों की मिल रही हैं शिकायतें, इनके क्षेत्रों में पटरी पर ही आ रही थी कूड़ा उठान व्यवस्था, वाहन समय पर ना आना तथा नियमित कूड़ा उठान न करने की मिल रही थी नियमित शिकायतें कई बार पेनल्टी एवं चेतावनी के बाद भी नही सुधार पाए कूड़ा कलेक्शन का प्रदर्शन, कर्मचारियों की ड्रेस, आईडी कार्ड एवं वाहनों की फिटनेस पर भी नगर निगम से कई बार की गई अर्थदण्ड की कार्यवाही तथा चेतावनी के बाद भी नही हुआ सुधार।

कांग्रेस प्रत्याशी मनोज रावत की विधायक निधि चली गई थी वापस

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून गुप्तकाशी प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि आपदा के समय कांग्रेस पार्टी की सरकार ने आपदा के समय आप लोगों को आपके ही हाल छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि हमारी दीदी आशा नौटियाल को समर्थन देने आये है। उन्होंने कहा कि यहां की जनता में व्यापक स्तर पर उप चुनाव को लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा कि आशा दीदी पूरे रिपोर्ट कार्ड को लेकर आई है। उन्होंने कहा कि साढे तीन साल में राज्य के मुख्य सेवक के रूप में काम कर है और अनेकों विकास कार्य किये है और विधायक न होते हुए भी काम किये है कर्मशील व समर्पित कार्यकर्ता को विजयी बनायें। उन्होंने कहा कि किसी को भी कांग्रेस के बहकावे में नहीं आना है। यहां गुप्तकाशी में भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल के समर्थन में आयोजित जन सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा। उसी का परिणाम है कि आज केदार धाम का पुनजीर्णोद्वार किया जा रहा है और यहां पर तेजी के साथ विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बहकावें में किसी को नहीं आना है। उन्होंने कहा कि विधायक रहते हुए कांग्रेस प्रत्याशी की विधायक निधि क्षेत्र का विकास न होने के कारण वापस चली गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में साठ सालों तक राज किया और कोई प्रधानमंत्री यहां नहीं आया और नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद सात बार यहां आये है और प्रधानमंत्री के दिल में बाबा केदार व आप

लोग बसते है और आपके दिलों में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बसते है और केदारनाथ धाम में विकास कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि 2०13 की आपदा के बाद यहां दो हजार करोड की लागत से विकास कार्य किये जा रहे है और अनेक पुल, सडक, पार्कों का सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है और तीन गैस सिलेंडर, दो यूनिट फ्री बिजली सहित अनेक योजनायें संचालित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की मेहनत का परिणाम है कि यहां पर चार धाम यात्रियों की संख्या में पहुंच रहे है और मोदी ने विश्व के लोगों से संवाद किया और उसके बाद लाखों यात्री यहां पहुंचे है और उन्होंने कहा कि पिछले साल 2०लाख से अधिक यात्री आये है और इस साल सोलह लाख से अधिक यात्री यहां आये है और गलतियां होती है हमसे भी हुई है और गलतियों को ठीक करने का काम किया है कांग्रेस गलती पर गलती करती है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर आपदा के समय में यात्रा का रोकने का काम किया है और कुछ अधिकारियों की लापरवाही भी इसमें सामने आई है और चार धाम यात्रा प्राधिकरण बनाने वाले है और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने का काम करेंगें। स्थानीय हक हकूक धारियों और व्यापारियों के हितों के लिए कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केदारनाथ व मदमहेश्वर धाम के कपाट बंद होने पर मदमहेश्वर धाम की यात्रा को केदारनाथ धाम की तर्ज पर किया जायेगा। केदार घाटी में 31 जुलाई को आई आपदा के बाद यहां पहुंचे और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उन्हें बचाया और कांग्रेस की सरकार आप लोगों को आपके हाल पर छोड गई और अपनी पार्टी के शहजादे का इंतजार करते रहे कांग्रेस का शासनकाल तुष्टिकरण से भरा हुआ है और कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली है और घुसपैठियों को यहां बसाने में क्या हर्ज है और क्या दिक्कत है और बाबा विश्वनाथ से कह रहे है आप सुधर जाईये और हमारे राज्य में मुस्लिम यूनिवर्सिटी का सपना देखने वाले आज फिर से तुष्टिकरण की बात कर रहे है और मुस्लिम युनिवर्सिटी बनायेंगें की बात 2०22 में हुए विधानसभा चुनाव में कर रहे थे और जिस कारण से जनता ने कांग्रेस को सत्ता में न आने का सबक सीखा दिया।

सीएम ने प्रधानमंत्री के रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल के सिद्धांत को बढ़ाया आगे

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून मुख्यमंत्री ने एक नये विजन के तहत प्लास्टिक कूडा निवारण को लेकर जो नई पहल शुरू की है उससे प्लास्टिक कचरा एकत्रित करने के साथ इसे फिर से इस्तेमाल किया जा रहा है और अब मुख्यमंत्री ने सभी निकायों को प्लास्टिक कूड़ा निस्तारण की ठोस व्यवस्था के निर्देश दिये हैं। इस दिशा निकायों के स्तर पर कई नवीन प्रयास किए जा रहे हैं, कुछ जगह क्यूआर कोड के जरिए भी प्लास्टिक की वापसी की जा रही है। सरकार इस दिशा में बेहतर काम करने वाले निकायों का पुरस्कृत भी कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साफ कहा कि प्लास्टिक कूड़ा प्रबंधन, हमारे शहरी जीवन के सामने एक चुनौती बनकर उभर रहा है। ऐसे में ऋषिकेश नगर निगम ने प्लास्टिक कूड़े का प्रबंधन कर नगर निकायों के सामने उदाहरण पेश किया है। नगर निगम प्लास्टिक कूड़े को ना सिर्फ सफलता पूर्वक एकत्रित कर रहा है, बल्कि इसे रीसाइकिल के जरिए फिर कई तरह से इस्तेमाल भी कर रहा है। तीर्थनगरी के साथ ही राफ्टिंग- कैम्पिंग का प्रमुख केंद्र होने के कारण ऋषिकेश में वर्षभर श्रद्धालुओं

और पयर्टकों की भीड़ भाड़ लगी रहती है। इस कारण यहां प्लास्टिक कूड़ा का प्रबंधन चुनौतीपूर्ण काम है। नगर आयुक्त शैलेंद्र सिंह नेगी की पहल पर इसके लिए ऋषिकेश नगर निगम ने सबसे पहले आईएसबीटी, त्रिवेणी घाट और वीरभद्र में प्लास्टिक बैंक की स्थापना की, प्लास्टिक बैंक के बॉक्स बनाने के लिए पुरानी प्लास्टिक बोतलों को ही इस्तेमाल किया गया। जिसमें लोग खुद खाली बोतलें या अन्य प्लास्टिक कचरा डालते हैं, इन प्लास्टिक बैंक से अब तक करीब 4०० किलो तक प्लास्टिक रीसाइकिल हो चुका है। इस प्रयोग की सफलता को देखते हुए नगर निगम अब नटराज, ट्रांजिट कैम्प, रेलवे स्टेशन में भी प्लास्टिक बैंक स्थापित करने जा रहा है।

ऋषिकेश नगर निगम ने परिसर में प्लास्टिक वेस्ट से ह्यवेस्ट टू वंडरङ्ग पार्क भी तैयार किया है, जिसमें पुराने टायर, खराब हो चुकी स्ट्रीट लाइट, साइकिल- स्कूटर जैसे सामान से बच्चों के झूले ओर सजावटी सामान तैयार किए गए हैं। साथ ही नगर निगम रीसाइकिल प्लास्टिक से बैंच, ट्री कार्ड, प्लास्टिक बैंक बॉक्स भी तैयार कर रहा है। ऋषिकेश नगर निगम में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, के बावजूद पहले यूजर चार्ज, महज तीन लाख महीने तक ही जमा हो पाता था, लेकिन अब नगर निगम ने यूजर चार्ज वसूलने का काम, महिला स्वयं सहायता समूहों (त्रिवेणी सेना) को दे दिया है, जिसके बाद नगर निगम का कलेक्शन 13 लाख के पार चला गया है। इसमें से नगर निगम महिला समूहों को 25 प्रतिशत लाभांश देता है। इस तरह करीब 25० महिलाओं को प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिला है।

उत्तरकाशी में एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स का आयोजन, युवाओं को साहसिक खेलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है

मिशन नेशनल न्यूज / ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी, पर्यटन विभाग के तत्वावधान में मोरी ब्लॉक के खरसाड़ी गांव में 10 दिवसीय एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स का संचालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट के निदेर्शानुसार पर्यटन विभाग के एक्सपीडीशन हॉस्टल खरसाड़ी में पहली बार जिला योजना की एडवेंचर टूरिज्म मद से इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। स्थानीय युवाओं को साहसिक खेलों से संबंधित गतिविधियों की प्रारंभिक जानकारी देकर उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के मोरी, पुरोला व नौगांव ब्लॉक के 40 युवक व युवतियां भाग ले रहे हैं। साहसिक खेल अधिकारी मोहम्मद अली खान के निर्देशन में संचालित इस शिविर में एनआईएम से प्रशिक्षित आठ महिला व पुरुष प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न साहसिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन डीएफओ टौंस वन प्रभाग डीपी बलूनी, जिला पर्यटन अधिकारी केके जोशी तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने साहसिक खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, रिवर क्रॉसिंग, ट्रेकिंग, और अन्य साहसिक गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही, उन्हें संचार कौशल, आपदा प्रबंधन, और डिजीटल मार्केटिंग की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि वे साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में अपने कौशल को और अधिक निखार सकें।

साहसिक खेल अधिकारी मोहम्मद अली खान ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस प्रकार के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवा इस क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकें। इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उन्हें इस शिविर से बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से उन्हें आत्मविश्वास मिलता है और वे अपने भविष्य के लिए बेहतर तैयारी कर सकते हैं। इस प्रकार, उत्तरकाशी मोरी ब्लॉक में आयोजित यह 10 दिवसीय एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स स्थानीय युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें साहसिक खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और उन्हें नए अवसर प्रदान करेगा।

जिलाधिकारी ने जारी की अधिसूचना, निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार कार्य किया जाएगा

जिलाधिकारी ने दिए निर्देश, निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण में पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कार्य किया जाए

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट ने जिले की समस्त ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों का विस्तृत पुनरीक्षण किए जाने हेतु अधिसूचना जारी की है। इस पुनरीक्षण में प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के उन सभी व्यक्तियों के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किए जायेंगे जा 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले अर्ह व्यक्तियों के नाम दर्ज किए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखंड के निदेर्शानुसार जारी उक्त अधिसूचना में तय संशोधित कार्यक्रम के अनुसार पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण हेतु संगणकों द्वारा आगामी 25 नवंबर तक घर-घर जाकर गणना व सर्वेक्षण का कार्य किया जाएगा। आगामी 26 से 29 नवंबर तक प्रारूप निर्वाचक नामावलियों की पाण्डुलिपियां तैयार करने के बाद 30 नवंबर को प्रारूप निर्वाचक नामावलियों की पाण्डुलिपियां पंचास्थानि चुनावालय में जमा की जाएंगी। 01 दिसंबर से 28 दिसंबर तक प्रारूप निर्वाचक नामावलियों की डेटा इंट्री एवं

फोटो स्टेट प्रतियां तैयार करने के बाद 29-39 दिसंबर को प्रारूप निर्वाचक नामावलियों की प्रतियां नोडल अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा मतदान केंद्रवार तैनात कर्मचारियों को जनसामान्य के निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी और 31 दिसंबर 2024 को निर्वाचक नामावली के आलेख्य का प्रकाशन किया जाएगा। आगामी 01 जनवरी से 07 जनवरी 2025 तक निर्वाचक नामावली के आलेख्य पर दावा एवं आपत्तियां प्राप्त कर 08 से 10 जनवरी 2025 तक प्राप्त दावों की जांच व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। 11 जनवरी एवं 12 जनवरी को पूरक पाण्डुलिपियां तैयार कर इन्हें 13 जनवरी को पंचास्थानी चुनवालय को उपलब्ध कराया जाएगा। 14 व 15 जनवरी 2025 को पूरक सूचियों की डाटा इंट्री व फोटो स्टेट प्रतियां तैयार करने व मूल सूची के साथ संलग्न करने का कार्य संपन्न कराने के बाद तैयार निर्वाचक नामावली को 16 जनवरी 2025 को नोडल अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्राप्त कराया जाएगा। तय कार्यक्रमानुसार आगामी 17 जनवरी 2025 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

जनपद स्तरीय खेल महाकुम्भ: दूसरे दिन की प्रतियोगिताओं में भटवाड़ी और चिन्यालीसौड़ का दबदबा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, खेल मैदान मनेरा में आयोजित जनपद स्तरीय खेल महाकुम्भ के दूसरे दिन अण्डर 20 आयुवर्ग की बालिका वर्ग की खो-खो, वालीबॉल, और एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुईं। अण्डर 14 आयुवर्ग के बालक और बालिकाओं के लिए वालीबॉल, खो-खो, कबड्डी, और मुगाझपट जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

अण्डर 20 आयुवर्ग की बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में भटवाड़ी की सिमरन डंगवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चिन्यालीसौड़ की दीक्षा ने द्वितीय और डुण्डा की शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर बालिका दौड़ में मोरी की रिवानी ने बाजी मारी, जबकि 400 मीटर बालिका दौड़ में चिन्यालीसौड़ की प्रिया ने जीत दर्ज की। 800 मीटर बालिका दौड़ में भी चिन्यालीसौड़ की प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पुरोला की संध्या ने द्वितीय

और नौगांव की साधना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 3000 मीटर दौड़ में भटवाड़ी की दिव्यांशी, पुरोला की मानसी, और चिन्यालीसौड़ की मोनिका ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान प्राप्त किया। अण्डर 14 आयुवर्ग के बालक वर्ग की 600 मीटर दौड़ में नौगांव के अंशुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, पुरोला के यशवंत ने द्वितीय और चिन्यालीसौड़ के आयुष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।बालिका वर्ग में चिन्यालीसौड़ की रंचना ने प्रथम, भटवाड़ी की समीक्षा ने द्वितीय और पुरोला की ज्योति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बालक वर्ग की वालीबॉल प्रतियोगिता में नौगांव की टीम ने बाजी मारी, जबकि भटवाड़ी की टीम द्वितीय और मोरी की टीम तृतीय स्थान पर रही। बालिका वर्ग की वालीबॉल प्रतियोगिता में मोरी की टीम ने जीत दर्ज की। बालक वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता नौगांव विकासखण्ड के नाम रही, जबकि पुरोला की टीम दूसरे और चिन्यालीसौड़ की टीम तीसरे स्थान पर रही। बालिका वर्ग में भी नौगांव की टीम ने बाजी मारी।

इस खेल महाकुम्भ में विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अपने-अपने क्षेत्रों का नाम रोशन किया।

उत्तरकाशी में एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स का आयोजन, युवाओं को साहसिक खेलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है

मोरी ब्लॉक के खरसाड़ी गांव में आयोजित एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स में युवाओं को संचार कौशल, आपदा प्रबंधन, और डिजीटल मार्केटिंग की जानकारी दी जा रही है

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, पर्यटन विभाग के तत्वावधान में मोरी ब्लॉक के खरसाड़ी गांव में 10 दिवसीय एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स का संचालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट के निदेर्शानुसार पर्यटन विभाग के एक्सपीडीशन हॉस्टल खरसाड़ी में पहली बार जिला योजना की एडवेंचर टूरिज्म मद से इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

स्थानीय युवाओं को साहसिक खेलों से संबंधित गतिविधियों की प्रारंभिक जानकारी देकर उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के मोरी, पुरोला व नौगांव ब्लॉक के 40 युवक व युवतियां भाग ले रहे हैं। साहसिक खेल अधिकारी मोहम्मद अली खान के निर्देशन में संचालित इस शिविर में एनआईएम से प्रशिक्षित आठ महिला व पुरुष प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न साहसिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन डीएफओ टौंस वन प्रभाग डीपी बलूनी, जिला पर्यटन अधिकारी केके जोशी तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने साहसिक खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, रिवर क्रॉसिंग, ट्रेकिंग, और अन्य साहसिक गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही, उन्हें संचार कौशल, आपदा प्रबंधन, और डिजीटल मार्केटिंग की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि वे साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में अपने कौशल को और अधिक निखार सकें। साहसिक खेल अधिकारी मोहम्मद अली खान ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस प्रकार के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवा इस क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकें। इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उन्हें इस शिविर से बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से उन्हें आत्मविश्वास मिलता है और वे अपने भविष्य के लिए बेहतर तैयारी कर सकते हैं। इस प्रकार, उत्तरकाशी मोरी ब्लॉक में आयोजित यह 10 दिवसीय एडवेंचर फाउंडेशन कोर्स स्थानीय युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें साहसिक खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और उन्हें नए अवसर प्रदान करेगा।

नौनिहालों के लिए विशेष सुरक्षा है जरूरी

चारों तरफ लगातार बढ़ते प्रदूषण का असर हमारी सेहत पर किस तरह पड़ रहा है, इस बारे में अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं। चाहे वह हमारे आस-पास की हवा हो जिसमें हम सांस लेते हैं या फिर जो पानी हम पी रहे हैं, हर जगह बढ़ते प्रदूषण की मार तो है ही, उस पर से खाने की चीजों में मिलावट अलग। इस वजह से स्थिति और बुरी होती जा रही है। साथ ही इस बात को खास तौर पर समझने की जरूरत है कि बच्चों पर इसका असर कुछ ज्यादा होता है। बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता ज्यादा नहीं होती। इसलिए वयस्कों के मुकाबले उनके बीमार होने की आशंका भी ज्यादा होती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता दो तरह से बढ़ती है। जानकार बताते हैं कि आम तौर पर जब हम बाहर के किसी संक्रमण के शिकार होते हैं, तब हमारा शरीर अपने आप उस संक्रमण से लड़ने की क्षमता विकसित करता है। इसे एंटीबाडी कहते हैं। शरीर में ऐसे एंटीबाडी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने की क्षमता कमोबेश सभी में मौजूद होती है। मगर कुछ मामलों में हमारा शरीर बाहरी हमले से लड़ने के लिए सक्षम नहीं होता। उन खतरों से बचने के लिए हम विशेष तरीका अपनाते हैं। इसमें हम शरीर को बाहर से ऐसे एंटीबॉडी उपलब्ध करवाते हैं, जिससे वह संक्रमण से लड़ने के लिए पहले से तैयार हो। विभिन्न तरह के टीके इसी तैयारी के तहत लगाए जाते हैं।

विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए अब हमारे पास कई तरह के टीके उपलब्ध हैं। इसलिए अब यह सलाह दी जाती है कि सभी बच्चों को तय उम्र पर इन टीकों की नियत खुराक जरूर दी जाए। कुछ टीकों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम अवधि के लिए होती है। ऐसे में उसका बूस्टर डोज भी देना होता है। हालांकि यह भी सच है कि अधिकांश टीके सीमित क्षमता वाले ही होते हैं। यानी शायद ही ऐसा कोई टीका हो, जिसके बारे में यह दावा किया जा सके कि यह संबंधित रोग से सौ फीसदी सुरक्षा उपलब्ध करवा देगा। लेकिन ये टीके(वैक्सीन्स) उस रोग की आशंका को काफी सीमित कर देते हैं। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) से ले कर विभिन्न देशों की सरकारें तक इनकी सिफारिश करती हैं।

पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य

इन दोनों उपायों के साथ ही यह भी जरूरी है कि बच्चों की खुराक में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों को भरपूर रूप से शामिल किया जाए। नवजात बच्चों के लिए मां का दूध रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बड़े बच्चों में यह काम फलों, सब्जियों और अन्य प्राकृतिक उत्पादों के जरिए हो सकता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में हरी सब्जियां और फल दें। मौसमी फल खास तौर पर बच्चों में इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। मौसमी फलों की खास बात यह होती है कि ये एक तरफ तो बहुत स्वादिष्ट होते हैं वहीं इनकी कीमत भी अपेक्षाकृत कम होती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि बाजार में जिस मौसम में जो फल सबसे सस्ते मिल रहे हों, उसी को खरीदें। बच्चों को दिन भर में पांच बार अलग-अलग रूप में फल और सब्जियां दी जा सकती हैं। हालांकि यह बहुत कुछ बच्चों की रुचि पर निर्भर करता है, लेकिन छोटे बच्चे के लिए इसकी हर खुराक औसतन दो बड़ी चम्मच के बराबर और बड़े बच्चों के लिए एक कप के बराबर हो सकती है।

बच्चों को चारों ओर से होने वाले जीवाणुओं और विषाणुओं (वाइरस) के हमले से सुरक्षा देना बेहद जरूरी है। नवजात बच्चा एक हद तक विषाणुओं से भले लड़ ले, लेकिन जीवाणुओं से मुकाबला करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं होता। उस पर से अगर वह 37 हफ्तों के गर्भाधारण से पहले हुआ हो, तब तो उसमें यह क्षमता बहुत कम होती है। छोटे बच्चों को अपने अभिभावकों और परिवार वालों से भी बैक्टीरिया पहुंचने का खतरा होता है। परिवार वालों के हाथ, नाक और मुंह में मौजूद जीवाणु(बैक्टेरिया) उन तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इसलिए छोटे बच्चों को छूने से पहले अच्छी तरह साबुन से हाथ धोना जरूरी है।

इन बातों पर दें ध्यान

अगर बच्चा समय से बहुत पहले हुआ है, तब तो और ज्यादा सावधानी बरतनी होती है। बड़े बच्चों को भी ऐसे संक्रमण के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। उन्हें बताना होगा कि ये बैक्टीरिया उन तक कैसे पहुंचते हैं। शौचालय और कचरे आदि से ही नहीं, हमारे घरों के दरवाजों के हैंडल तक से ये बैक्टीरिया उन तक पहुंच सकते हैं।

इसलिए उनमें मुंह, नाक, आंख, कान आदि में अंगुली करने की आदत नहीं पड़ने देनी चाहिए। इसी तरह हर बार खाना खाने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने की आदत डालनी चाहिए। अगर किसी बच्चे को छींक या खांसी आती है, तो इस दौरान उसे अपने मुंह को ढककर रखने की सलाह भी दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखिए कि ये उपाय बच्चों को बीमारियों से बचाते जरूर हैं, लेकिन उसे सौ फीसदी सुरक्षित नहीं करते।

सर्दियों में कैसे बचें जुकाम से

सर्दियों में जुकाम दुनियाभर के लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे आम बीमारी है। 100 से भी ज्यादा वायरस ऐसे हैं, जो इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं और यह बहुत आसानी से फैलता है। इसलिए जुकाम फैलाने वाले वायरसों के संक्रमण से बचना काफी मुश्किल हो जाता है। शरीर में पहुंचने के बाद ये वायरस संख्या में बढ़ना शुरू होते हैं, जिससे ये लक्षण दिखाई देना शुरू होते हैं।

- गले में खराश, छींके एवं नाक बहना।
- आंखों से पानी निकलना।
- बदन दर्द एवं खांसी।
- सांस लेने में परेशानी या हल्का बुखार आने

जैसे कई लक्षण सामने आते हैं।

आमतौर पर जुकाम 1-2 हफ्तों में ठीक हो जाता है। चिकित्सकों का मानना है कि इसके वायरस की उम्र 7 दिन की होती है। आमतौर पर यह किसी औषधि से नहीं मरता। औषधियां केवल लक्षणों को ठीक करने के लिए दी जाती हैं। यह कहावत बहुत आम है कि जुकाम दवाएं खाएं तब भी 7 दिन में ठीक होता है और नहीं खाएं तब भी एक हफ्ते में ठीक होता है।

क्या करें..

सर्दी होने पर अनावश्यक मेहनत से बचना चाहिए। रूटीन के काम कर सकते हैं, लेकिन इस दौरान धूल और धूएं से बचना चाहिए, नहीं तो हालत बिगड़ सकती है। भरपूर आराम के साथ ही पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेना चाहिए, विशेषकर फलों का रस जरूर लें। जुकाम के कारण पाचन तंत्र भी निष्क्रिय पड़ जाता है, इसलिए हल्के, सुपाच्य खाद्य पदार्थ थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लें। कफ सिरप आदि दवाओं से लक्षणों में राहत मिल सकती है, लेकिन ये जुकाम का बचाव या इलाज नहीं होता है, न ही इनसे बीमारी जल्दी ठीक होती है।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए फिलहाल कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन बीमार न पड़ें, इसके लिए कुछ उपाय जरूर किए जा सकते हैं। अपने आहार की ओर ध्यान दें, प्रतिदिन ऐसा आहार लें, जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हों, पर्याप्त नींद लें और व्यायाम भी करें। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता दुरुस्त रहेगी।

बच्चों और बुजुर्गों को हीटर के सामने नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा रुखी होकर फट सकती है। त्वचा की दरारों के जरिए संक्रमण शरीर के अंदर प्रवेश कर सकते हैं।

देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से कम हो जाती है उम्र

दफ्तरों में देर तक कुर्सी पर बैठे रहने वाले लोगों के लिए चेतावनी की तरह सामने आए एक शोध में बताया गया है कि अधिक देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से उम्र कम हो जाती है।

बीएमजे ओपन नामक ई मैगजीन में प्रकाशित इस शोध में कहा गया है कि अमेरिका जैसे देश में अधिक टीवी देखने अथवा बैठे रहने वाले व्यक्ति कम जीते हैं। यह निष्क्रियता उम्र घटाने का काम करती है।

आंकडों से पता चला कि कुर्सी पर जमे रहने से होने वाली विभिन्न बीमारियों से मरने का खतरा 27 फीसदी और टेलीविजन देखने से होने वाली बीमारियों से मौत होने का खतरा 19 फीसदी होता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर दफ्तरों में कोई व्यक्ति महज तीन घंटे प्रतिदिन ही कुर्सी पर बैठता है, तो उसकी उम्र में दो वर्षों का इजाफा हो सकता है। इसके अलावा टेलीविजन देखने के समय में प्रतिदिन दो घंटों की कमी करने से भी उम्र में 1.5 वर्षों का इजाफा होता है। शोधकर्ताओं ने अपने शोध में विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा इकट्ठा किए गए आंकड़ों को शामिल किया था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आए शोधों से पता चलता है कि दफ्तरों के व्यस्त माहौल और कुर्सी पर बिताए जाने वाले समय का दुष्प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है और इसके फलस्वरूप विभिन्न बीमारियां हो सकती हैं, जिनमें रक्तचाप, हृदय रोग इत्यादि प्रमुख हैं। टेलीविजन इत्यादि देखने में अधिक समय बिताने से भी निष्क्रियता को बढ़ावा मिलता है, जिससे इन बीमारियों के बढ़ने की संभावना रहती है।

रसीली गाजर के10मीठे गुण

लाल और मीठी गाजर को देखकर तुंरत हलवे की याद आ जाती है। निश्चित तौर पर गाजर के इस्तेमाल से बनने वाला हलवा है ही इतना लाजवाब। गाजर न सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है बल्कि इसमें आपको तंदुरुस्त रखने के लिए बहुत सारे खास गुण होते हैं। यह आपको स्वस्थ रखने के साथ साथ आपकी आंखों की रोशनी को बढ़ाती है। गाजर का नियमित इस्तेमाल आपके बालों और त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी है। गाजर के ज्यूस को अपनी रोजाना की डाइट का हिस्सा बना लीजिए क्योंकि यह स्वादिष्ट होने के साथ बहुत गुणकारी है।

1. गाजर के ज्यूस को खास गुणों से भरपूर बनाने का काम इसमें मौजूद बीटा-केरोटिन, विटामिंस और पोटेशियम करते हैं। बीटा-केरोटिन से गाजर विटामिन॒ का सबसे प्रभावकारी स्त्रोत बनती है। गाजर से शरीर के इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है। विटामिन॒ से न केवल आपकी आंखों की रोशनी बढ़ती है बल्कि गाजर के ज्यूस का नियमित इस्तेमाल दिल की बीमारियों से भी आपको बचाए रखता है।
2. गाजर के ज्यूस में होने वाला पोटेशियम शरीर में कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करता है। गाजर में लीवर को ठीक रखने का भी गुण होता है। पोटेशियम, मैगनीज और मैगनेशियम के साथ मिलकर ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य रखता है और इस तरह से शरीर में डायबीटिज के खतरे को कम करता है।
3. ग़ाजर के ज्यूस में विटामिन च होता है जो कि चोट लगने पर रक्त के थक्के जमने में मदद करता है और खून का बहना रोकता है। विटामिन च चोट ठीक करने में कारगर है। गाजर में मौजूद विटामिन ष्ट घाव ठीक करने के साथ साथ मसूड़ों को भी स्वस्थ रखता है।
4. गाजर के ज्यूस में कैंसर से लड़ने का गुण होता है। इसमें केरोटेनोइड नाम का एक खास तत्व होता है जिसे प्रोस्टेट, कोलोन, और स्तन कैंसर से लड़ने में बहुत ही कारगर समझा जाता है।
5. गाजर का ज्यूस शरीर में प्रोटीन की कमी को भी पूरा करने के साथ साथ शरीर को पर्याप्त मात्रा में केल्सियम भी प्रदान करके हड्डियों को मजबूती देता है।
6. गाजर का ज्यूस लीवर को साफ करता है। शरीर में पैदा होने वाले विभिन्न तरह के जहर गाजर के ज्यूस के उपयोग से बाहर निकल जाते हैं। गाजर का ज्यूस लीवर को ताकत देकर उसकी काम करने की क्षमता बढ़ाता है। गाजर का ज्यूस वजन कम करने में भी मदद करता है।
7. गाजर का ज्यूस बच्चे के गर्भावस्था के लिए खास तौर पर लाभकारी है। इसके उपयोग से बच्चे और मां दोनों के स्वास्थ्य में सुधार आता है।
8. गाजर के ज्यूस से मां के दूध की गुणवत्ता बढ़ जाती है।
9. गाजर का ज्यूस गर्भ में पल रहे बच्चे को इन्फेक्शंस से बचाए रखता है।
10. गाजर का ज्यूस वजन करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए बहुत कारगर है क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। कम कैलोरी के कारण यह बहुत अच्छा हेल्दी ड्रिंक है। गाजर का ज्यूस अपने खास गुणों के कारण लगभग सभी डाइट प्लान का हिस्सा बनता है।

बॉक्स ऑफिस पर भूल भुलैया 3 मचा रही है धूम

मुंबई

हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म ह्यभूल भुलैया 3ह्ल बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म ने अब तक 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। फिल्म में विद्या बालन और माधुरी दीक्षित ने क्रमशः मंजुलिका-मल्लिका और अंजुलिका-एसीपी राठौड़ की भूमिकाएं निभाई हैं।

फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और दिवाली के बाद भी इसकी कमाई का सिलसिला जारी है। इस सफलता के साथ यह फिल्म साल की सबसे बड़ी हिट्स में शामिल हो गई है। हाल ही में माधुरी दीक्षित ने फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले निर्देशक अनीस बज्मी से मुलाकात हुई थी, जहां उन्होंने ह्यभूल भुलैया 2ह्ल की सराहना की थी। इसके बाद बज्मी ने उन्हें कहानी सुनाई। माधुरी ने कहा, जब मैंने स्क्रिप्ट सुनी, तो मुझे अपनी भूमिका बेहद पसंद आई। यह एक अनोखा अनुभव था क्योंकि मैंने पहले कभी हॉरर-कॉमेडी नहीं की थी। माधुरी ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, इस फिल्म में विद्या, कार्तिक और कई बेहतरीन कलाकारों का साथ मिला। मैंने तुरंत इस प्रोजेक्ट को करने का फैसला किया। माधुरी और विद्या की जोड़ी पहली बार एक साथ काम करती नजर आई। उन्होंने इसके पीछे के एक दिलचस्प कनेक्शन का भी जिक्र किया। विद्या ने 2010 में आई फिल्म ह्यइश्किया्ह्ल में मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि माधुरी ने इसके सीक्वल ह्यडेढ़ इश्कियाह्ल (2014) में काम किया था। माधुरी ने कहा, शायद कहीं न कहीं यह संबंध था। विद्या के साथ काम करना बेहद शानदार रहा। वह न केवल एक बेहतरीन अदाकारा हैं, बल्कि एक शानदार इंसान भी हैं। हमने साथ काम करते हुए खूब आनंद लिया। ह्यभूल भुलैया 3ह्ल को दर्शकों और समीक्षकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

तेलुगु फिल्म मटका में नजर आएंगी नोरा फतेही

मुंबई

जल्द ही एक्ट्रेस नोरा फतेही तेलुगु फिल्म मटका में नजर आएंगी। फिल्म में एक्ट्रेस नोरा एक्टर वरुण तेज के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस चोटिल हो गई थीं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग जारी रखी ।

हाल ही में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि चोट के बावजूद उन्होंने काम क्यों नहीं रोका और इस फिल्म में काम करने के अनुभव के बारे में। नोरा ने बताया कि इस फिल्म में वह सोफिया का किरदार निभा रही हैं, जो एक कैबरे डांसर है। फिल्म में जब सोफिया वासु (वरुण तेज) की जिंदगी में एंट्री करती है, तो बहुत कुछ बदल जाता है। नोरा ने खुलासा किया कि इस फिल्म में सबसे ज्यादा मुश्किल तेलुगु में संवाद बोलने में आई। उन्होंने कहा, पहले दिन का शूट वरुण के साथ था और डायलॉग इतने लंबे थे कि मैं रातभर सो नहीं सकी। मुझे लग रहा था कि कैसे बोल पाऊंगी, लेकिन वरुण ने मुझे सेट पर बहुत सहज महसूस कराया। उन्होंने आगे कहा कि इस फिल्म के लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ी। फिल्म में उनके किरदार की एंट्री एक गाने से होती है, और उस गाने की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। हालांकि, फिल्म की शूटिंग को पांच दिन में खत्म करना था, इसलिए उन्होंने दर्द की परवाह किए बिना शूटिंग पूरी की। इसके बाद, वह एक महीने तक किसी भी फिल्म की शूटिंग नहीं कर पाई। नोरा ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए एक अलग जर्नी रही है और मुझे इस पर गर्व है।नोरा ने अपनी शुरूआत के बारे में भी बात की और बताया कि बॉलीवुड में काम करने का ख्याल कभी उनके दिमाग में नहीं आया था।

नोरा ने अपनी मेहनत और संघर्ष के बारे में कहा, मैंने इंडस्ट्री में खुद को साबित करना था, और यही मेरी प्राथमिकता थी। पैसे कमाने के लिए तो और भी बहुत सारे काम हैं, लेकिन मुझे इंडस्ट्री में अपना स्थान बनाना था।उन्होंने कहा, मैंने हमेशा सोचा था कि सिर्फ भारतीय लड़कियां ही बॉलीवुड में एक्ट्रेस बन सकती हैं, लेकिन जब मैंने कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस को देखा, तो मुझे लगा कि मैं भी कर सकती हूं। इसके बाद, नोरा ने ऑडिशन देना शुरू किया और अपने करियर में छोटे-छोटे रोल्स के जरिए जगह बनाई।

फ्रांस में शबाना को मिलेगा विशेष सम्मान

मुंबई

अभिनेत्री शबाना आजमी फेस्टिवल डेस 3 कॉन्टिनेंट्स के 46वें संस्करण में शामिल होने के लिए फ्रांस जा रही हैं। हिंदी सिनेमा में 50 वर्षों की शानदार यात्रा के लिए शबाना आजमी को विशेष सम्मान दिया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के सिनेमा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करता है।

इस अवसर पर उनकी बेहतरीन फिल्मों का एक रेट्रोस्पेक्टिव आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंकुर, मंडी, मासूम और अर्थ जैसी कालजयी फिल्में शामिल होंगी। इन फिल्मों के जरिए उनकी बहुमुखी अभिनय क्षमता और समाज से जुड़ी कहानियों पर उनकी पकड़ को श्रद्धांजलि दी जाएगी। शबाना आजमी की फिल्मों को फ्रांस में पहले भी सराहा गया है। उनकी फिल्म गॉडमदर को इसी फेस्टिवल में ओपनिंग नाइट फीचर के रूप में प्रदर्शित किया गया था। इसके अलावा, उन्हें सेंटर पॉम्पिडो और सिनेमैथेक जैसे प्रतिष्ठित स्थानों पर भी सम्मानित किया जा चुका है। 2024 शबाना आजमी के करियर के 50 वर्षों का मील का पत्थर है। हाल ही में, मुंबई फिल्म फेस्टिवल (एमएएमआई) में भी उन्हें सिनेमा में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वह एकमात्र भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने पाँच राष्ट्रीय फि ल्म पुरस्कार जीते हैं और उनके खाते में कई फि ल्मफेयर पुरस्कार भी हैं। शबाना आजमी ने केवल भारतीय सिनेमा में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी छाप छोड़ी है। उनकी हॉलीवुड फिल्में जैसे मैडम सौसत्जका, सिटी ऑफ जॉय, और सन ऑफ द पिंक पैंथर उनके ग्लोबल रेंज को दशार्ती हैं। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री (1988) और पद्म भूषण (2012) जैसे उच्च नागरिक सम्मान मिल चुके हैं। सिनेमा के अलावा, शबाना आजमी सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। 1989 में उन्हें फ्रांस में मानवाधिकारों के लिए उनके प्रयासों को मान्यता देते हुए राष्ट्रपति फ्रांस्वा मिटरैंड द्वारा सम्मानित किया गया था। फेस्टिवल डेस 3 कॉन्टिनेंट्स जैसे आयोजन वैश्विक सिनेमा और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं।

सोशल मीडिया पर अक्षय और टॉम क्रूज के स्टंट पर छिड़ी बहस

मुंबई

आजकल सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज के खतरनाक स्टंट्स को लेकर जोरदार बहस छिड़ी हुई है। जब से मिशनः इम्पॉसिबल 8 का ट्रेलर जारी हुआ, तब से यह विवाद शुरू हुआ है। फिल्म में टॉम क्रूज का किरदार एथन हंट एक प्लेन से लटकते हुए नजर आता है।

टॉम क्रूज का यह स्टंट अपने खतरनाक और रोमांचक एक्शन के लिए दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं, फैंस अक्षय कुमार से उम्मीद कर रहे हैं कि वह अपनी अगली फिल्म में ऐसा ही साहसी प्रदर्शन करें। इस दृश्य को देखकर अक्षय कुमार के फैंस ने इसे उनकी 2000 में आई फिल्म खिलाड़ी 420 के स्टंट से मेल खाता हुआ बताया। अक्षय ने खिलाड़ी 420 में बिना किसी बॉडी डबल के उड़ते हुए प्लेन से लटकने का साहसी स्टंट किया था। फैंस का कहना है कि यह स्टंट भारतीय सिनेमा के लिए एक मील का पत्थर था। वहीं, टॉम क्रूज की मिशनः इम्पॉसिबल फ्रेंचाइजी अपने उच्च बजट और एडवांस्ड तकनीक वाले खतरनाक स्टंट्स के लिए मशहूर है। एक फैन ने सोशल मीडिया पर लिखा, अक्षय कुमार वह खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टॉम क्रूज से पहले ये स्टंट कर दिखाया। वह हमारे देश के असली एथन हंट हैं। जबकि दूसरे फैन ने कहा, टॉम क्रूज के पास बड़ा बजट हो सकता है, लेकिन अक्षय के पास हिम्मत और असली जुनून है।

इस बहस के बीच, अक्षय कुमार का पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था, हॉलीवुड में स्टंट्स पर जितना खर्च होता है, वह हमारे 2-3 फिल्मों के बजट के बराबर होता है। लेकिन भारतीय कलाकारों में भी साहस और क्षमता की कमी नहीं है। मिशनः इम्पॉसिबल 8, जिसका नाम मिशनः इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग है, 23 मई, 2025 को रिलीज होगी।

भारतीय टीम को हराने का है अच्छा अवसर : ब्रैंडन जूलियन

मेलबोर्न

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ब्रैंडन जूलियन ने कहा है कि इस बार मेजबान टीम के पास बॉर्डर गावस्कार सीरीज में भारतीय टीम को हराने का अच्छा अवसर है। जूलियन के अनुसार भारतीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली पिछले काफी समय से फार्म में नहीं हैं। इसके अलावा मध्यक्रम भी कमजोर है। जिसका लाभ हमारी टीम दबाव बनाकर उठा सकती है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज खराब प्रदर्शन से भी भारतीय टीम पर मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। कोच गौतम गंभीर बाहर हालांकि अपने खिलाड़ियों का बचाव करते हुए उन्हें पिछली सीरीज से उबरकर बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित करने का प्रयास करेंगे पर ये उनके लिए आसान नहीं रहेगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम उन्हें पर्थ में हरा देगी। हमने उनके खिलाफ पिचली चार सीरीज में से कोई भी सीरीज नहीं जीती है इसलिए इस बार हम हिसाब बराकर कर सकते हैं।

जूलियन ने साथ ही कहा कि भारतीय टीम बल्लेबाजी क्रम में संघर्ष कर रही है क्योंकि शुभमन गिल और केएल राहुल चोटिल हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हम उन्हें पहले टेस्ट मैच में 4 दिनों में हरा देंगे। आपको शुरू में ही उन पर दबाव बनाना होगा और आपको आक्रामक होना होगा। मुझे लगता है कि भारत के पास अनुभव है, उनके पास सबकुछ है पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद उनका मनोबल घटा है जिसका लाभ हमें मिलेगा। वे पर्थ में लगातार चौथा मैच हार सकते हैं, फिर वे गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलने जाएंगे, जो पहले भी उनके लिए परेशानी का सबब था और फिर आप गाबा जाएंगे। इसलिए ये हमारे लिए भारत को हराने का आदर्श समय है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे बहुत दबाव के साथ मैदान में उतरेंगे।

सहवाग से मतभेद के बाद पंजाब किंग्स से अलग हुए थे मैक्सवेल

मुम्बई

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। मैक्सवेल पंजाब किंग्स के कप्तान भी रहे थे पर मेंटोंर वीरन्द्र सहवाग से मतभेद के बाद उन्हें टीम छोड दी। वह 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब में शामिल हुए थे। उनकी टीम तब फाइनल में पहुंची थी पर वहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हार गयी गई। मैक्सवेल ने इस आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 552 रन बनाए थे। पंजाब के साथ अपने अपने सफर को याद करते हुए मैक्सवेल ने कहा कि हम उस समय अंतिम ओवर में हार गए थे। इस किकेटर ने कहा कि आपका सफर कितना भी अच्छा क्यों न हो पर ट्रॉफी के बिना सब बेकार है। साल 2014 के बाद पंजाब का प्रदर्शन गिर गया और वह अंक तालिका में आखिरी स्थानों पर रही। मैक्सवेल ने इसको लेकर कहा कि तब टीम के लिए कठिन समय था और एक युवा खिलाड़ी के रूप में उनके लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल रहा था।

2017 में मैक्सवेल की एक बार फिर पंजाब टीम में वापसी हुई। तब सहवाग टीम मेंटर बन गये थे। वहीं मैक्सवेल को कप्तानी मिली। मैक्सवेल ने कहा कि टीम बनते ही स्पष्ट हो गया था कि इसपर सहवाग का प्रभाव है।

विराट की जगह नंबर तीन के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं तिलक

मुम्बई

युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीका में हुई टी20 सीरीज में नंबर तीन पर उतरते हुए शानदार बल्लेबाज की है। उससे वह आने वाले समय में नंबर तीन पर उतरने के लिए विराट कोहली के सबसे अधिक विकल्प बनकर उभरे हैं। दक्षिण अफ्रीका सीरीज में तिलक ने दिखाया है कि वह लंबी परियां खेलने के साथ ही एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने लगातार दो मैचों में दो शतक लगाये। तिलक ने सबसे पहले घरेलू किकेट और आईपीएल में चमक बिखेरी थी। उसके बाद से ही वह अवसर मिलने पर अंतरराष्ट्रीय मंच में भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। तिलका का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। करियर के शुरूआती दौर में खराब आर्थिक स्थिति के कारण तिलक को काफी परेशानियों का सामना किया है पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। तिलक के पास शुरूआती दौर में बेहतर सुविधा नहीं थी लेकिन उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी थी। इसके बाद भी पिता ने तिलक का पूरा साथ दिया।

वर्मा को बचपन के कोच ने टेनिस बॉल किकेट खेलते हुए देखा था, और फिर उन्हें अपने संरक्षण में ले लिया। उन्होंने आईपीएल 2022 में डेब्यू किया था। 2020-21 के विजय हजारे ट्रॉफी में दो शतक बना कर लोगों का ध्यान खींचा। मुंबई इंडियंस ने 2022 की नीलामी में तिलक को एक मोटी रकम देकर अपने साथ जोड़ा। उस समय उनका बेस प्राइस 20 लाख था और वे एक अनकैप्ड खिलाड़ी थे। तब से लेकर तिलक लगातार मुंबई इंडियंस की ओर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

तिलक ने शानदार आईपीएल सत्र खेला और इसके तुरंत बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए उन्हें पहली बार टी20 टीम में शामिल किया गया। वह मध्यक्रम में भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अपने उपयोगी ऑफ ब्रेक के साथ-साथ बल्लेबाजी के दौरान गियर बदलने की उनकी क्षमता उन्हें इस भारतीय सेटअप में एक बेहतरीन खिलाड़ी बनाती है।

विराट को जल्दी आउट करने की रणनीति बनायी बनायें : मैकग्रा

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने कहा है कि बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जल्दी आउट करने की रणनीति बनायी जानी चाहिये। मैकग्रा ने कहा कि विराट पर भारतीय बल्लेबाजी काफी ज्यादा आधारित रहती है इसलिए अगर वह पेवेलियन लौट गये तो टीम दबाव में आ जाएगी। मैकग्रा ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के पास इतनी क्षमता है कि वह विराट को निशाना बना सके। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरूआत 22 नवंबर से पर्थ में होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली चार टेस्ट श्रृंखला जीती हैं जिनमें से दो ऑस्ट्रेलिया में खेली गई हैं। टीम इंडिया को हाल में ही में अपनी घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह दबाव में है।

मैकग्रा ने कहा, ह्यह्यइसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की हार के बाद, आपके पास खुद को साबित करने के लिए बहुत क्षमता है ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्यह्यइसलिए उन पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं ह्लह्ल उन्होंने कहा कि भारत की बल्लेबाजी के मुख्य आधार रहे कोहली पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं जिसका लाभ भी टीम को उठाना चाहिये। इस साल उन्होंने जो छह मैच खेले हैं उनमें उनका औसत मात्र 22.72 रहा है। चोटिल शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हैं और कप्तान रोहित शर्मा का खेलना भी संदिग्ध है और ऐसे में कोहली बल्लेबाजी क्रम का नेतृत्व करने को लेकर पहले ही दबाव में रहेंगे।

कोहली ऑस्ट्रेलिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के चार दौरों में 54.08 के प्रभावशाली औसत से रन बनाए हैं। मैकग्रा ने चेतावनी दी कि कोहली को आक्रामक तरीके से निशाना बनाने से वह जुनूनी हो सकते हैं इसलिए इस मामले में सावधानी रखें। मैकग्रा ने कहा, ह्यह्यमुझे लगता है कि वह थोड़ा दबाव में है और अगर वह शुरू में कुछ कम स्कोर करता है तो वह वास्तव में इसे महसूस करेगा। जिससे ऑस्ट्रेलिया का काम आसान हो जाएगा।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार